64
C. Senthil Rajan (Director DFF)

K. Prashant Kumar (Dy. Director), NFA

Editors: Shiv Sunny (English), Mohit Pareek (Hindi)

Co-ordination: Anshuman Shekhar, Harsh Agarwal

Creative Director: Mukesh Chandra

Creative Assistance: Pawan Yadav

Publisher: DAVP, Ministry of Information and Broadcasting
64 वें
विषय सूची
CONTENTS

दादासाहेब फालके पुरस्कार
DADASAHEB PHALKE AWARD

दादासाहेब फालके पुरस्कार के विषय में
About Dadasaheb Phalke Award
10

दादासाहेब फालके पुरस्कार : अव संगमिता
Dadasaheb Phalke Award Past Recipients
12

पुरस्कार समिति
Award Committee
14

के विवरणात् – प्रोफाइल
K Viswanath - Profile
21

निर्णायक मंडल (सीरीज फिल्म)
Feature Film Jury
26

निर्णायक मंडल (सीरीज - हीरो फिल्म)
Non-Feature Film Jury
32

निर्णायक मंडल (सितारों पर स्थापना लेखन)
Best Writing on Cinema Jury
34

प्रातीचक निर्णायक मंडल (सीरीज फिल्म)
Regional Feature Film Jury
38

फ़िल्म अनुकूल प्रदेश निर्णायक समिति
Film Friendly State Jury Committee
43

फीचर फिल्में
FEATURE FILMS

फीचर फिल्में - एक गजर में
Feature Films - At a Glance
46

सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म
Best Feature Film
48

इंडियन राष्ट्रीय पुरस्कार: निर्माता की वाणी सर्वश्रेष्ठ फिल्म
Indira Gandhi Award for Best Film of a Director
50

लोकप्रिय एवं सत्यमेव ज्ञातव्य प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ फिल्म
Best Popular Film Providing Wholesome Entertainment
52

राष्ट्रीय सदन और राज्य के लिए सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का निर्णय
t Nargis Dutt Award for Best Feature Film on National Integration
54

राष्ट्रीय सदन और एका के लिए सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म
Best Film on Social Issues
56

पर्यावरण संरक्षण / परिस्थिति पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म
Best Film on Environment Conservation / Preservation
58

सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म
Best Children's Film
60

सर्वश्रेष्ठ ऐंग्रेजी फिल्म
Best Animation Film
62

सर्वश्रेष्ठ असमीय फिल्म
Best Assamese Film
64

सर्वश्रेष्ठ बंगाली फिल्म
Best Bengali Film
66

सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म
Best Hindi Film
68

सर्वश्रेष्ठ कन्नड फिल्म
Best Kannada Film
70

सर्वश्रेष्ठ कोंकणी फिल्म
Best Konkani Film
72

सर्वश्रेष्ठ मलयालम फिल्म
Best Malayalam Film
74

सर्वश्रेष्ठ मराठी फिल्म
Best Marathi Film
76

सर्वश्रेष्ठ तमिल फिल्म
Best Tamil Film
78

सर्वश्रेष्ठ तेलुगू फिल्म
Best Telugu Film
80

सर्वश्रेष्ठ गुजराती फिल्म
Best Gujarati Film
82

सर्वश्रेष्ठ मूलाना फिल्म
Best Moran Film
84

सर्वश्रेष्ठ पुरातीन फिल्म
Best Tulu Film
86
विषय सूची

CONTENTS

FEATURE FILMS

राष्ट्रीय निर्देशन | 88  Best Direction
राष्ट्रीय अभिनेता | 89  Best Actor
राष्ट्रीय अभिनेत्री | 90  Best Actress
सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेता | 91  Best Supporting Actor
सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेत्री | 92  Best Supporting Actress
सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार | 93  Best Child Artist
सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक | 94  Best Male Playback Singer
सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका | 95  Best Female Playback Singer
सर्वश्रेष्ठ छायांकन | 96  Best Cinematography
सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (मौलिक) | 97  Best Screenplay (Original)
सर्वश्रेष्ठ पटकथा (प्रवाहित) | 98  Best Screenplay (Adapted)
सर्वश्रेष्ठ पटकथा (संगीत) | 99  Best Screenplay (Dialogue)
सर्वश्रेष्ठ छविकांक (संगीत कलाकार) | 100  Best Audiography (Sound Design)
सर्वश्रेष्ठ छविकांक (रिकॉर्डिंग) | 101  Best Audiography (Re-recording of Final Mixed Track)
सर्वश्रेष्ठ संशोधन | 102  Best Editing
सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन हिंदी | 103  Best Production Design
सर्वश्रेष्ठ डेझर्ट्स हिंदी | 104  Best Costume Designer
सर्वश्रेष्ठ लक्ष्यांक तपासक | 105  Best Make-up Artist
सर्वश्रेष्ठ निर्देशन | 106  Best Music Direction (Songs & Background Score)
राष्ट्रीय गीत | 107  Best Lyrics
निर्माणक मंडल का निर्माण पुरस्कार | 108  Special Jury Award
राष्ट्रीय मूच्छ संप्रदाय | 109  Best Choreography
राष्ट्रीय स्पेशल इफेक्ट | 110  Best Special Effect
राष्ट्रीय निर्देशन | 111  Best Action Direction
राष्ट्रीय शब्द | 112  Special Mention

कथालार - फीचर फिल्में | 113  Synopses-Feature Films
विषय सूची

CONTENTS

गैर फीचर फिल्में
NON-FEATURE FILMS

१२४ Non-Feature Films - At a Glance
१२५ Best Non-Feature Film
१२६ निर्देशक की पहली फिल्म
१२७ निर्माताजी पुरस्कार फिल्में
१२८ निर्माताजी पुरस्कार फिल्में
१२९ समाजात्मक विषय पर फिल्में
१३० सांस्कृतिक विषय फिल्में
१३१ सांस्कृतिक विषय फिल्में
१३२ बैंड, सांस्कृतिक विषय फिल्में
१३३ बैंड, सांस्कृतिक विषय फिल्में
१३४ सांस्कृतिक विषय फिल्में
१३५ अभिनेता विषय फिल्में
१३६ अभिनेता विषय फिल्में
१३७ अभिनेता विषय फिल्में
१३८ अभिनेता विषय फिल्में
१३९ अभिनेता विषय फिल्में
१४० अभिनेता विषय फिल्में
१४१ अभिनेता विषय फिल्में
१४२ अभिनेता विषय फिल्में
१४३ अभिनेता विषय फिल्में
१४४ अभिनेता विषय फिल्में
१४५ अभिनेता विषय फिल्में
१४६ अभिनेता विषय फिल्में
१४७ अभिनेता विषय फिल्में
१४८ अभिनेता विषय फिल्में
१४९ अभिनेता विषय फिल्में
१५० अभिनेता विषय फिल्में
१५१ अभिनेता विषय फिल्में
१५२ अभिनेता विषय फिल्में
१५३ अभिनेता विषय फिल्में
१५४ अभिनेता विषय फिल्में
१५५ अभिनेता विषय फिल्में
१५६ अभिनेता विषय फिल्में
१५७ अभिनेता विषय फिल्में
१५८ अभिनेता विषय फिल्में
१५९ अभिनेता विषय फिल्में
१६० अभिनेता विषय फिल्में
१६१ अभिनेता विषय फिल्में
१६२ अभिनेता विषय फिल्में
१६३ अभिनेता विषय फिल्में
१६४ अभिनेता विषय फिल्में
१६५ अभिनेता विषय फिल्में
१६६ अभिनेता विषय फिल्में
१६७ अभिनेता विषय फिल्में

सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन
BEST WRITING ON CINEMA

१७३ Best Book on Cinema
१७४ Best Film Critic
१७५ Best Film Critic
१७६ Special Mention

फिल्म अनुकूल प्रदेश पुरस्कार
FILM FRIENDLY STATE AWARD

१७८ Most Film Friendly State
१७९ Special Mention
The Dadasaheb Phalke Award is given to a film personality for his / her outstanding contribution to the growth and development of Indian Cinema. The Award comprises a Swarna Kamal, a cash Prize of ₹10,00,000/- (Rupees Ten Lakh) and a shawl. The award was instituted in 1969 by the government in honour of the father of Indian Cinema, Dhundiraj Govind Phalke.
दादासाहेब फालके पुरस्कार
DADASAHEB PHALKE AWARD

भारतीय सिनेमा के जनक घुड़िराज गोविंद फालके या दादासाहेब फालके (1870-1944) ने 1913 में भारत की पहली फीचर फिल्म राजा हरिशंकर के द्वारा एक विविध नवीनता वाली फिल्म जीवन की रूपालिका की। निर्देशन, निर्माण और पटकथा लेखन के रूप में उन्होंने अपनी कंपनी हिन्दुस्तान फिल्म्स के द्वारा सिर्फ 15 सालों में 95 फीचर फिल्मों और 28 लघु फिल्मों का निर्माण किया। उनकी महाभारतः पुराण में मादेहिंगी भरतारुप (1913), लक्ष्मणराव शाकरी (1914), लक्ष्मण दत्त (1917), श्री कृष्ण जन्म (1918) और कालिया गंधर्व (1919) रामायण और महाभारत की शाखाएं हैं।

तू से बदलता किर्णर, हटी स्थाई और विदेश यादाता। 20वीं सदी के उपराकार में एक पारिवारिक व्यक्ति के बाद उन्हें 21वीं सदी के सितारा नवीन चोरों ले आते हैं। मुंबई व्यवसाय में प्रेसा करने से पहले उन्होंने फोटोग्राफी स्टूडियो से अपना कार्य शुरू किया। फिर कला का रिश्ता प्राप्त की और वह एक जापानी और संघ कलाकार भी बना। उनका करीब राजा की तरह बनने तो प्रसिद्ध होकर उन्होंने लीडरग्राफी और फोटोग्राफी ने झलकाव और हस्तियों ने वहला हस्तियों की। बाद में उन्होंने अपनी फिल्म प्रेरण स्थापित किया। आमने-आमने फिल्मों की भाषा के बाद में उनके जीवन की बात की। हालांकि आमने भारीवर की बात की थी। एक अमेरिका दूता फिल्म का रूप में प्रभावित होने से पहले उन्होंने फिल्म बनाने का निर्णय किया। उन्होंने लॉन्दोन से एक कंट्रोलर, प्रिंटिंग मशीनें, परफॉर्मर और क्रिकेट माल खरीदा। उन्होंने वहाँ पर फिल्म बनाने के लिए कारों भी खरीदा।

इसके बाद उन्होंने भारत की पहली फीचर फिल्म राजा हरिशंकर को नामधारी सहायता निम्न किया। इस फिल्म को 1913 में बंगाल के कानपुर के सिनेमा में प्रदर्शित किया गया और उसे मदद सफलता मिली। प्रथम विदेश प्रेस्ट के कारण भारतीय विदेशी के और क्रिकेट माल का संकट पैदा हो गया था। फिर भी उनका होश्ता पता नहीं हुआ। उन्होंने फिल्म फिल्म स्पेकूट, रिश्टावस, निर्माण और हास्य फिल्मों बनायी। जब तक उन्होंने पंजीय व्यवसायिकों की भाषा में एक फिल्म विदेशी हिन्दुस्तान फिल्म के साथ साथ, जिसमें एक स्तर नहीं था और प्रकटित निर्माण और अभिनेता भी थे। एक बार फिर वे अपने नीचे खाने के साथ संबंध में फिल्म में फिल्म में और उन्होंने फिल्म की छोटी दी।

फालके ने क्रुद्ध और किर्णर का निर्देशन किया लेकिन वे अब अपने निवृत्त करने
Dadasaheb Phalke Award

Dadasaheb Phalke (1870-1944) is regarded as the father of Indian cinema. He directed India’s first feature film, Raja Harishchandra, in 1913, flagging off a remarkably inventive career. A producer, director and screenwriter, he is believed to have made a significant number of the 95 feature films and 26 short films that his company Hindustan Films made in barely 15 years. His amazing body of films include Mohini Bhasmasur (1913), Savitri (1914), Lanka Dahan (1917), Shri Krishna Janma (1918) and Anjaan Mardan (1919).

His rapid career switches, headstrong nature and trips abroad, more closely characterise a teenager in the 21st century, than a family man at the dawn of the 20th century. Starting out in a photography studio, he studied art, was a magician and stage performer, before joining the printing business. Inspired by the painter Raja Ravi Varma, Phalke specialised in lithographs and oleographs. Later, he started his own printing press, and even travelled to Germany to learn more about the latest technology and machinery. However, following a dispute with his partners, he quit the printing business. Greatly impressed by a silent film, The Life of Christ, he decided to make a film. He sailed for London and bought a camera, printing machine, perforator and raw stock, and even got a crash course in film-making. He soon made Raja Harishchandra, on a righteous king who sacrifices his family and kingdom to fulfill a vow and uphold the truth. India’s first feature film Raja Harishchandra was exhibited at Bombay’s Coronation Cinema in 1913, and was a grand success. Undeterred when World War I brought a severe financial and raw stock crunch, he made shorts, documentary features, educational, animation and comic films. Soon he established a film company, Hindustan Films, in partnership with five businessmen, with a studio, and trained technicians and actors. Again he ran into trouble with his partners and quit.

Phalke directed a few more films, but felt constrained. Moreover, his silent films were unable to cope with competition from the talkies after 1931. Among his last films were Setu Bandhan (1932) and a talkie, Gangaavar (1937). He died in 1944. Dadasaheb Phalke leaves behind a pioneer’s legacy, not only of his astonishing films, but a joyous inventiveness, and a resilient, unbowed spirit that weathered many reverses and personal tragedies. Little did he know then that he was laying the foundation for the Indian film industry, today the most prolific and diverse in the world.
Dadasaheb Phalke Award Past Recipients

25. जप्पूह सुलानपुरी
Majrooh Sultanpuri
- 1993

26. दिलीप कुमार
Dilip Kumar
- 1994

27. डॉ. राजकुमार
Dr. Rajkumar
- 1995

28. शिवाजी गणेशन
Shivaji Ganesan
- 1996

29. कवि प्रदीप
Kavi Pradeep
- 1997

30. बी.एच. चोपड़ा
B.R. Chopra
- 1998

31. ह्रिषिकेश मुखर्जी
Hrishikesh Mukherjee
- 1999

32. अशा भोस्ले
Asha Bhosle
- 2000

33. यास्ह चोप्रा
Yash Chopra
- 2001

34. देव अरनंद
Dev Anand
- 2002

35. मिन्नल सेत
Mrinal Sen
- 2003

36. अक्षुर गोपालकृष्णन
Adoor Gopalakrishnan
- 2004
Dadasaheb Phalke Award Past Recipients

1. Shyam Benegal 2005
2. Tapas Sinha 2006
4. V.K. Murthy 2008
5. D. Ramanaidu 2009
6. K. Balachander 2010
7. Soumitra Chatterjee 2011
8. Pran 2012
9. Gulzar 2013
10. Shashi Kapoor 2014
11. Manoj Kumar 2015
Manoj Kumar is an award-winning Indian actor and director in Bollywood. He is remembered for his films Haryali Aur Raasta, Waqt Kaun Thi?, Himalaya Ki God Mein, Do Badan, Upkar, Patthar Ke Sanam, Neel Kamal, Purab Aur Paschim, Roti Kapda Aur Mikaan and Kranti. He is known for acting in and directing films with patriotic themes, and was fondly known as ‘Bharat Kumar’. In 1992, he was honoured with the Padma Shri by the Government of India. He was also honoured with the highest award in cinema, the Dadasaheb Phalke Award, in the year 2016.
Asha Bhosle is one of the legends of Indian music, particularly Hindi film music. Starting as a playback singer in 1943, she has sung for over a thousand films. Bhosle's work includes film music, pop, ghazals, traditional Indian classical music, and folk songs. World Records Academy, an international organization which certifies world records, recognized her as the Most Recorded Artist in the world in 2009. In 2011, she was acknowledged by the Guinness Book of World Records as the most recorded artist in music history. She is a recipient of the Dadarshree Phalke Award in 2000 and the Padma Vibhushan in 2008.

T.S. Nagabharana is an Indian film director in the Kannada film industry and a pioneer of the parallel cinema. He is one of the few film directors to have straddled the mainstream and parallel cinema worlds. He achieved success both in television and cinema. He has multiple National Awards to his credit.
Kamal Hassan is an Indian film actor, screenwriter, director, producer, playback singer and lyricist who primarily works in Tamil cinema. Kamal has won several film awards including three National Film Awards and nineteen Filmfare Awards. His production company, Rajkamal International, has produced several of his films. Kamal received in 1990 the Padma Shri and in 2014 the Padma Bhushan for his contributions to Indian cinema.

S.P. Balasubrahmanyam is an Indian film playback singer, actor, music director, voice actor and film producer. His name is registered in the Guinness World Record for recording the highest number of songs. S.PB has won six National Awards for Playback singing and 25 Nandi Awards for his works in Telugu cinema. He has over 40,000 songs in various Indian languages. He is a recipient of Padma Shri (2001) and Padma Bhushan (2011). In 2016, he was honored with the Centenary Award for Indian Film Personality of the year at the 47th IFFI.
दादाशाहेब फाल्के दादाशाहेब फाल्के पुरस्कार विजेता परिचय

दादाशाहेब पुरस्कार 2016

भारत के सबसे प्रमुख फिल्मकारों में से एक, दादाशाहेब फाल्के के किवड़े शामिल माना जाता है। उनके द्वारा बनाई गई हर फिल्म अपने आप में विशिष्टता है। उनके द्वारा बनाई गई हर फिल्म अपने आप में विशिष्टता है। उनके द्वारा बनाई गई हर फिल्म अपने आप में विशिष्टता है। उनके द्वारा बनाई गई हर फिल्म अपने आप में विशिष्टता है। उनके द्वारा बनाई गई हर फिल्म अपने आप में विशिष्टता है। उनके द्वारा बनाई गई हर फिल्म अपने आप में विशिष्टता है।

ऐसे कई फिल्मकार हुए हैं जिनका जीवन एक संगीत कल्पक रहा है और विश्वनाथ उन्हीं में से एक हैं। ये अपने आप में बड़ी बात है कि एक साइट डिजाइन के तीन फिल्मों में आपने सही शुरु करने वाले विश्वनाथ, पांडव राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और 20 बार नरी पुरस्कार और एक बार हॉनरेट (पोर्ट्रे श्रीमलु हेलेन विल्सिन्डल्स) की उपाधि द्वारा सम्मानित किए जा चुके हैं। संगीत और नृत्य में शारीरिक और लोकल कार्यों के प्रस्तुतकर्ता रह चुके विश्वनाथ, होगा है भारतीय फिल्म जनता के लिए एक जिम्मेदार और गर्वनामक कर्मचारी है। वह कहते हैं, “संगीत किसी भी फिल्म की आधा है और कहानी को साधारण रूप से दर्शाने के लिए, उसमें एक सुंदर भवनामक पकड़ बनाने में सहायता करता है। इसीलिए फिल्मों के जीवन और नृत्य पर आधारित रही हैं और मुझे एक कारण था धर्म के संबंध में विशेष ध्यान दिया है।” 1992 में फिल्म निर्माण के क्षेत्र में अपने बहुतूर्ण योगदान के लिए उन्हें पारस्पर पुरस्कार ने पदक श्री से सम्मानित किया था।

उनकी फिल्मों ने सबसे जुड़ने से दूसरी श्री किवड़े, विकरशिलार और चुनिन्दा लोगों के लिए भी बनाई जाती है। उन्होंने तेलुगू सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय सर्दियों तक ले जाने वाले पहले निर्देशक होने का गौरव हासिल किया है। सिनेमा पर आधारित बनने वाले सिनेमा उद्धोग में उनकी फिल्मों को इन्हें जूते जाने वाली नामगिरियों के माध्यम से फिल्म निर्देशक को एक लिस्टर रूप में पेश किया।

निश्चित रूप से, उनकी सबसे गौरवी फिल्मों में से एक सिविलिजेशन एक ओर बांदी वादक और इन्हें नाम नहीं लिखने वाले विश्वनाथ की संवेदनशीलता कहानी है, जिसके संगीत के प्रति संदेह और आपने यात्रिकता नाकामयाबी की बाज़ एक दूसरे से प्यार हो जाता है। इस फिल्म के नाम दर्शक तक आता है और जिसे रचनात्मक श्री ताजबाहु का आहंकार करना है। भारतीय संगीत संगीत में विश्वनाथ का अतुलनीय भागदान है। उन्हें गहराई में जा जाकर जीवन और अंतिम गीत के साथ परिपरम सुरुवात को वापस लाने का श्रेय जाता है।

उनकी फिल्म को संकल्पनात्मक भारत के सबसे संपूर्ण नामें में शामिल है, जिसे पूरे दिन तक सराहा गया। उनकी फिल्मों की एक उल्लेखनीय विशेषता है कि वे वांछित कर्मदान करने वाले फिल्मों की हैं। इन फिल्मों में मनोरंजन के अधेरे स्तर के साथ भावनाओं, प्राकृतिक
दादासाहेब फळके पुरस्कार विजेता परिचय
DADASAHEB PHALKE AWARD WINNER PROFILE

सुंदरसता, दिनोंदी संगीत, वादधवादी पात्र और सकार कहानी का मिश्रण होता है। उनकी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म स्वाभी मुधम भारत की ओर से ऑस्कर में जाने वाले पहली तेलुगु फिल्म थी।

के बिचकाना, उन निर्देशकों में से एक हैं, जिन्होंने तेलुगु सिनेमा में अपने निर्देशन और फिल्मों के जरिए एक छाप छोड़ी, जिसमें संस्कृति, पारंपरिकता मिली है। उन्हें कला के संबंध में कहलाता है 'तूफान' का शीर्षक दिया गया था। उनका सिनेमा के माध्यम और उसके उद्देश्य के बारे में कहा था कि, 'मानता हूँ कि फिल्म मनोरंजन का एक माध्यम है, लेकिन यह यह भी लगता है कि यह बेहतर होगा कि मैं लोगों का मनोरंजन करते हुए उन्हें कुछ अच्छा बता सकूँ। मैं कभी भी लोगों को अव्यक्तार्थिक चीजों नहीं दिखाना चाहता था।'
One of India’s most prominent filmmakers, K Viswanath can be termed an auteur. Every film he made was distinct and laced with his signature style of humanistic treatment of social issues, culture and tradition.

There is no stopping Kasinadhuni Viswanath. Known for taking his audience on beautiful musical journeys and blending commercial elements with in-depth content, K Viswanath is best known for keeping his characters connected to the audience.

There are filmmakers whose lives have been inspiring and K Viswanath is certainly one among them. It is no small achievement for someone who started his journey as a sound designer to be honoured with five National Film awards, twenty Nandi Awards and an honorary doctorate (Potti Sreeramulu Telugu University).

A presenter of classical and traditional art, music and dance, K Viswanath has been a responsible and guiding force in the Indian film industry. In his own words, "Music is the soul of any film and is crucial for creating the appropriate emotional grounding for the movie to play out. My films were largely based on dance and music so I took utmost care when it came to the music." He was awarded the Padma Shri in 1992 by the Government of India for his contribution to film making.

His films not only appealed to the masses, but also made the discerning and selective ones sit back and take notice. His also has the distinction of being the first director to take Telugu cinema to an international audience. In a star-driven industry, his movies established the Director as the star by telling stories that touched one’s heart.

Unquestionably, one of his most memorable films, Srivennela is a sensitive story of a blind flautist and a mute painter who fall in love with each other, over the love of music and their individual setbacks. It helped in changing viewers perception of disability, to a large extent. The musical compositions of this film are still fresh and soothing to the ears.

His contribution to Indian classical music is impeccable. He remained true to his roots and brought alive traditional notes with scintillating and meaningful lyrics.

His film, Sankarabharanam, is one of India’s most memorable classics appreciated across the world. A remarkable feature of his films is that all of them remain wholesome family entertainers. They have a fair share of humour, sentiments and contain scenic beauty, good music, powerful and realistic characters and most importantly concrete storylines. His national award winning Swathi Muthiram, was also the first Telugu film to be sent as India’s official entry to the 59th Academy Award in the Best Foreign Film category.

K Viswanath is one of the few directors who made his mark in Telugu cinema with his style of direction and films, that were rooted in culture, nativity and tradition. He went on to earn the title “Kala Thapasvi” - Devotee of the Arts.

“I believe cinema is a medium for entertainment. At the same time, I believe it can be leveraged to further social awareness and bring positive change. It is this belief that has prompted my selection of themes and treatment of my stories”.

K Viswanath
Dadasaheb Phalke Award Winner, 2016

Dadasaheb Phalke Award Winner Profile
The National Film Awards are given in three sections, viz., Feature Films, Non-Feature Films and Best Writing on Cinema. Each section has a different jury. Since the 57th National Film Awards, the awards in feature film section are decided through a two-tier selection process comprising five regional panels and a central jury. The juries are distinguished persons in the field of cinema, other allied arts and humanities. The jury deliberations are confidential, which provides an enabling environment to insulate the jurors from external influences, and also facilitates selection with impartiality, freedom and fairness.
प्रियदर्शन (Priyadarshan)

प्रियदर्शन सोमन नैयर एक भारतीय फिल्म निर्देशक, निर्माता और 
पटकथा लेखक हैं। वे फिल्म जीवन में 36 वर्षों से सहभागी हैं। उन्होंने अनेक भारतीय 
फिल्मों की निर्देशन की है। इनकी फिल्में विभिन्न भाषा में और विभिन्न 
स्तर के पटकथाओं में बनी हुई हैं। उनके अंतर्गत फिल्में अद्यावधिकारी, 
वैकल्पिक और संस्कृत की दिशा में काफी सफलता प्राप्त की है।

Priyadarshan Soman Nair, is an Indian Film Director, 
Producer, and Screenwriter. Over 36 years in the Indian 
Film Industry, he has directed over 85 films in Malayalam, 
Tamil, Hindi & Telugu. He is one of the first directors in India 
to introduce rich color grading, clear sound and quality 
dubbing through his early Malayalam films. His films 
Kalapani and Thenmavin Kombathu won 6 National Film 
Awards. He won the Swarna Kamal as Director and 
Producer (both) for the film Kanchivaram.
एन चंद्र (N. Chandra)

He started his career as a film editor at Film Centre in Torodeo, Mumbai, where his father worked. His break in the film industry came in 1971, as a clapper boy in Gulzar’s Parichay (1972). Gradually moving up as film editor and assistant director.

He remade Telugu film, Pratighatona (1986) as Pratighaat (The Revenge, 1987), starring Sujata Mehta and Nana Patekar, a film on the gruesome reality of politics in India. In 1988 he made Texaab, the film that effectively launched Madhuri Dixit’s career.

Vasanth S Sai

Vasanth S Sai started his career as a writer and has many short stories to his credit. He debuted as director with Keladi Kannani. Apart from feature films he has directed short films, documentaries, corporate films and advertisement films. He is also a three time state government award winner and one time national award winner. He has served as a jury member for the national film awards two times, in 2005 and 2015 and also been the jury for the Indian Panorama in 2006.
K.G. Suresh is the Director General, Indian Institute of Mass Communication - India's premier media training institution. Prior to his current assignment, he served as Senior Consulting Editor with Doordarshan News, Indias public news broadcaster; Editorial Consultant with Asianet News Network; Chief Political Correspondent with Press Trust of India and Group Media Advisor to Dalmia Bharat Enterprises Ltd.

A media educator for the last two decades, he has also served as Adjunct Professor at the Mahatma Chaturvedi National University of Journalism & Communication.

Hailing from a family with a lineage in the field of Performing Arts in Manipuri Dances, he had a natural affinity for Arts. An in-depth feel and rich concrete experience running through Direction, Production, Scripting and teaching gives him an overview of the Entertainment Industry and thereby on ability to understand Trends and Audiences' Tastes. He got the National Award for the Best Short Fiction Film, Punnarvitti, 1992.
**Girish Mohite** (Sadash)

Girish Mohite is a noted Marathi film and television actor. He has been involved in various projects in Marathi cinema and television. He is known for his portrayal of various characters in films and TV serials. He has won several awards for his performances.

**Deboshruti Roy Chowdhury** (Chowdhury)

Deboshruti Roy Chowdhury is an Indian film director and producer. She has directed several award-winning films in the Indian film industry. She is known for her socially relevant films and her work in promoting women's rights. She has received several accolades for her work.
शी वी रेडी (C.V. Reddy)

शी वी रेडी एक तेलुगू, तमिल व कन्नड फिल्मों के निर्माता व निर्देशक के साथ जवान्यासकार और संविदा हैं। रेडी ने कुंजी 25 वर्षों दर्शकों लिए दक्षिण भारतीय फिल्म जगत में सुप्रीम है। वे कई सरकारी समितियों के अयोग्य और भारतीय पैनलमा निर्माताओं समिति (2011 और 2016), अर्थकर्मी नियुक्ति समिति (2012) और 61वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (2014) समिति के सदस्य हैं। रेडी ने कई वर्ष तक तेलुगू फिल्म चीफ अफ कमर्स के संयुक्त आयोग में भी रहे हैं। वर्ष 1995 में उन्हें अपनी पहली फिल्म 'बाभिली' के लिए नारी अवार्ड दिए गये।

CV Reddy is a producer and director of Telugu, Tamil and Kannada films as well as a novelist and writer. He is associated with South Indian Film Industry for 25 Years. He has been on various government committees as chairman and member, has been a member of Indian Panorama jury for 2011 and 2016, the OSCER nomination committee for 2012, and for the 61st National Film Awards committee for 2014. He served one year as Joint Secretary for Telugu Film chamber of Commerce. In 1995 he received the Nandi Award for his debut film Badilee.

पी शी रेडी (P. C. Reddy)

पी शी रेडी 70 और 80 के दशक में सबसे प्रसिद्ध निर्देशकों में से एक थे। रेडी को 90 से अधिक फिल्मों का क्रेडिट जाता है, जिसमें बडीपुरु, पारांचूं, इल्लु-इल्लालु, मावुडू-दाणुडू, जैसी कई ब्रॉडकास्टर फिल्मों शामिल हैं। उनके जीवन की सीधा संबंधित कहानी में इल्लु-इल्लालु (कृष्ण और बांगेश्वर), मावुडू-दाणुडू (सोमन बाबू और सारम्य) और बडीपुरु (रुपदीपार और अंजली कैरेस) हैं।

In the ‘70s and the ‘80s, P. Chandra Sekhar Reddy was one of the most sought-after directors. He has more than ninety films to his credit, including blockbusters like Badipanthulu, Puadipantalu, Illu-Illallu, Mounavvu-Daanavudu, etc. Three of his career best films are Illu-Illalulu with Krishna and Vanisree, Mounavvu-Daanavudu with Sobhan Babu and Sarada, and Badipanthulu with legend NTR and Anjali Devi.
ASHOK RANE, the Director of IFA - Indian Film Academy, in one of the noted Film Critics, a Film Academician, Researcher and Writer.
Ashok Rane is in the profession of film criticism for about 35 years. He received National Award as best critic of the year two times. He has been a visiting faculty of Mumbai University and other prestigious institutions where he teaches Film Criticism, History of cinema, Film Appreciation and Film Scriptwriting.

Devdas Chhotray is an Indian odia author, administrator and academician. He was the first vice-chancellor of Ravenshaw University, Cuttack, Odisha. His work consists of poetry, short stories, lyrics, musicals and screenplays. He has written screenplays for feature films in Oriya. One, Indrakshara Chhodai (Shadows of the Rainbow) was screened at the Cannes Film Festival in 1995. Chhotray was the director of the Orissa Film Development Corporation from 1983-89 and 1996-98 and was vice-president of the governing council of the Film and Television Institute of India in Pune from 1999-2001.
राजू मिश्रा (Chairperson)
राजू मिश्रा एक चित्रपटकार और लेखक हैं, जिन्हें पत्तरा धातुसी बांडा देवलु (1993), सागर गंगा (1994) और सता मिच्चा (2003) जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। चित्रपटकार के रूप में उनकी फिल्म "नॉर्थी दिल्ली" (1991) में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में दिखाई गई थी और यह कांग्रेस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में भारतीय फिल्मों में शामिल थी। चित्रपटकार के रूप में उनकी "जयमंदिर" भारत के 37वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, पश्चिमप्रदेश फिल्म समारोह और कोलकाता फिल्म समारोह में भी दिखाई गई थी।

Raju Misra is a cinematographer and writer, known for Pothara Khusachi Bada Deulu (1993), Sagar Ganga (1994) and Sata Michha (2003). His movie as a cinematographer 'Koal Sandhya' was screened at the International Film Festival of India in New Delhi (1991) and also was a part of the Indian section at the Cairo International Film Festival.
His one more movie as a cinematographer 'Jyomoti' was also screened at 37th International Film Festival of India (IFFI), at Asian Film Festival and also at Kolkata film Festival.
शरण (Ashok Sharan)

शरण ने 1978 में नाटक कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने 1981 में अपनी पहली लघु फिल्म 'द डिस्ट्रेक्ट' का बनाया और उस फिल्म में अभिनय भी किया। अब तक शरण आदरणियों पर आपारित 100 से अधिक कृतियों बना चुके हैं और निर्देशन कर चुके हैं। 2006 में वे राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की फिल्म 'फिल्म शेनी' की ज्यूरी के सदस्य थे। वर्तमान में वे कई फिल्मों के निर्देशन और निर्माता के रूप में काम कर रहे हैं। वे एक विशाल धारा और पुरातात्त्विक के लिए कई धारावाहिक यात्राएँ अपने नाम के साथ की हैं। वर्ष 2006 से उन्हें जार्ज़न रत्न और वर्ष 2015 के लिए जार्ज़न सम्मान प्राप्त हुआ है।

He started his career as a drama artist in 1978. He produced and acted in his first short film 'The Degree' in 1981. Till now he has produced and directed more than 100 documentaries on various communities all over the nation. In 2006 he served as the jury of National Film Awards in feature film category. Currently he is the advisory member of the central board of film certification. He has produced many serials for Doordarshan and private channels. He has received Jharkhand Ratna for the year 2009 and Jharkhand Samman for the year 2015.

Rajanarayanan (M.C. Rajanarayanan)

Rajanarayanan is a bilingual writer who writes in English and Malayalam. He received the national film award for his Best Film critic in 1995. His articles and short stories have been published in various leading newspapers and magazines in English and Malayalam that includes The Indian Express, The Hindustan times, The Asian Age, Ciemaya, Mathrubhumi Daily and illustrated weekly, kalkaumudi and many more. He is a member of international federation of film critics. He has served on the state, national, and international film jury and selection committees.
M. Maniram is a Story Writer, Screen Play Writer, Director & Producer. He Directed & Co-produced an Assamese Feature Film 'MONGJAI' in the year 2008. Mon Jai was his debutant film and was selected for Indian Panorama "IFFI" in 2008 and also got the 56th National Film Award 2008 (Rajat Kamal). His second Assamese Film "Kondikkhon" was the opening film in Indian Panorama 2015 in the section the New Horizon - the North East. He also got the Best Director Critic Award in Jaipur International Film Festival, 2016 for "Kondikkhon".

Sanjeev Raton is a writer, director and an actor. He has Acted in Kareeb, Mission Kashmir and a tele serial CAPTAIN VEOM. He was the chief associate to Mr. VIDHU VINOD CHOPRA for his feature films, KAREEB and MISSION KASHMIR. Also did the debut ad for ICICI Bank with Mr. Chopra. As a Writer/producer/ Director, he made short films: PANCHAKKI. Which got two National awards in 2011 for best film and best music direction, he also g won best film national award in 2011 for DILE CH BASYA KOL,...a Himachali feature film. (Dogri language). He also served as Jury for National Film Award 2015 in the Non Feature Film Section.
Preeti Tripathi

Preeti Tripathi is an award-winning independent filmmaker, she is a graduate in Film / TV Production. Direction from Asian Academy of Film and Television (AAFT) and a Master’s in English Literature. Preeti was a senior Newsreader with Doordarshan, Bhopal for fifteen years (1992-2007). Till date Preeti has produced & directed 40 non-fiction and 4 fiction films.

Sushmit Ghosh

Sushmit Ghosh has directed and shot award-winning films on themes ranging from climate change and sustainable agriculture to public health and urbanisation. Sushmit’s films have also been recognized for their unique visual language and received over 50 national and international awards (including the National Film Award), screened at key forums like the United Nations Climate Change Conference.
सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन ज्यूरी
BEST WRITING ON CINEMA JURY

भावना सोमाया Bhawana Somaaya

भावना सोमाया विगत 30 वर्षों में फिल्म समीक्षक हैं और उनके कई लेख द एन्ड हिंदुस्तान टाइम्स, पारिवारिक, बॉलीवुड और कई अन्य पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। सोमाया स्कीन की संपादक रह चुकी हैं और उन्होंने सिनेमा पर 13 किताबें भी लिखी हैं। उनकी किताबें विज्ञान, बुद्धि, सांस्कृतिक, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था, और जीवन तथा राजनीति के विषयों के साथ-साथ तंत्रज्ञान पर भी हैं। सोमाया के अंक 82.7 एनएफएम रेडियो चौथो दिन को मनोरंजन संपादक हैं और वे किताबें से लेकर सांस्कृतिक लेख लिखतीं थीं। यह एक ऐसी पत्रकार है जो रेडियो, प्रिंट, टीवी, वेब में लिखतीं जातीं हैं।

Bhawana Somaaya has been a film critic for over 30 years and has contributed columns to various publications like The Hindu, The Hindustan Times, Pioneer, BBC and many more. She is the former editor of Screen and has authored 13 books on cinema. Her books are a point of reference for students studying cinema at Whistling Woods, Manipal University and now JNU. She has served on the Advisory Panel of CBFC in India and is part of the Governing Council of FTII, Pune. She is the Entertainment Editor at 92.7 Big FM and writes a weekly column for The Quint. She is the only journalist visible on all the mediums - Radio/Print/TV/Web.
Mohan V Raman (Mohan V Raman)

Mohan V Raman is an Indian film and television actor. He is acclaimed for playing supporting roles in Tamil Films and television serials. He has done over 120 films and 5000 TV serial episodes and therefore appeared in a wide range of roles - from comedian to a villain. He has compered several stage shows both in India and abroad and performed in several Advertisement films. He is a member of the South Indian Artistes Association and other professional bodies of the Film and TV industry.

Prabhat Kumar (Prabhat Kumar)

Prabhat Kumar is an Indian publisher and film producer. He is the head of Prabhat Group which includes Prabhat Prakashan, Ocean Books (P) Ltd., and Prabhat Paperbacks. Prabhat Prakashan is one of the leading publishing houses in India, which has till date, published over 4,000 titles of quality books. He has been awarded the Young Publishers Award by the representative body of publishers in India Federation of Indian Publishers in 2000. He is a Member of the Kendriya Hindi Samiti, Govt. of India headed by Hon'ble Prime Minister.
Shyamaprasad (Director) Shyamaprasad (Director) received the Commonwealth Scholarship in 1989 and did his master in film and media production at the Hull University, UK. His features have won him several national and film awards. Agniakshi, Akale and Ore Kadkol were adjudged the Best Malayalam film at the National Film Awards in 1998, 2004 and 2007. His films have been showcased in several prestigious film festivals. His other films include Ritu, Eeppika, Nontitical, and Veeveru.

Sanjeev Hazorika (Member) Sanjeev Hazorika (Member) was a film producer and writer. He has produced and directed several films in India. His association with cinema goes back to 1983. His first film Holahar (1992) won the Indira Gandhi Award for the Best First Film of a Director. His second film Meenakshi was selected for 25th IFFI at Bombay in 1995 and represented India at various film festivals. He has also been the member of the Script Selection Committee of the National Film Development Corporation (NFDC).

Tanushree Hazarika (Member) Tanushree Hazarika (Member) is a business management graduate from Boston University. Tanushree has worked previously in MNCs like Fidelity and Morgan Stanley in the US. She has been successfully bringing out the most popular English magazine of the region, Eclectic Northeast since 2007. She has received the Young Communicator award from the Symbiosis Institute in 2010 and the Outstanding Woman Achiever award by FICCI (Ladies wing of FICCI) in 2013.

Girish Mohite (Member) Girish Mohite (Member) is a film producer. He has produced films in Marathi language. He is an alumnus of the prestigious Sir J.J. Institute of Applied Arts, Mumbai. He has a Bachelor’s degree in fine arts with specialization in photography. Having worked with various advertising agencies he took to directing and producing Marathi movies, all of which, such as Bharatiya, Picnic, Baal, Manoja, and Marnat were unanimously acclaimed. He is socially active with a number of NGO’s specially associated with farmers and street children.

Jagori Bandyopadhyay (Member) Jagori Bandyopadhyay (Member) is a journalist and film critic based in Kolkata, West Bengal. She did her Masters in History from Jadavpur University. Currently she is positioned as Assistant Editor in the leading Bengali daily Aamar Desher Patrika. Her interests focus on film, gender and politics. Her directorial venture (Katha O Kahini/In Search of A Story, 2010) was showcased in Short Film Corner, Cannes Film Festival.
केजी. जी. सुरेश (K.G. Suresh) (Chairperson)

केजी. जी. सुरेश कलाम में भारत की प्रमुख पत्रिका संस्थान, भारतीय जन संसद संस्थान के महादेवक है। अपने भूमिका कार्यकलाप से पहले उन्होंने भारत के सांसद अभियान संस्थान प्रदर्शन चुनौती चुनौती, रोजगार और भारतीय मामले पानीवर लिखित व्यवहार व तंत्रज्ञ साधनाओं में बना करा है। (मुझे दो वर्षों ने एक पत्रिका कदमक के रूप में उन्होंने मामलोंक हूड़ुड़ी संस्थान प्रदर्शनों और सांसद विश्वविद्यालयों में सांसद का प्रस्तुति देने के रूप में भी संख्या दी है।

K.G. Suresh is the Director General, IMIC - India's premier media training institution. Prior to his current assignment, he served in Doordarshan News, India's public news broadcaster, Asianet News Network, Press Trust of India and Dolma Bharat Enterprises Ltd. A media educator for the last two decades, he also serves as Adjunct Professor at the Makanlal Chaturvedi National University of Journalism & Communication.

सुकेश मित्तल (Rakesh Mittal) (Member)

राकेश मित्तल विद्वान् और कलाकार (अभिनेता) में भारत के लिए एक फिल्म एक्टर और गैर-फिल्म विशेषज्ञ। उनका अभिनय और अंतरराष्ट्रीय परीक्षण 2015 आईएएफ़ फिल्म पुरस्कार विरोधी विषय के लिए नामित किया गया। उनके लघु फिल्म वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस के अंतर्गत एक फिल्म निर्माता भी है। इसके अलावा उन्होंने एक व्यक्तित्व और एकदम लोकप्रिय वर्ल्ड फिल्म फेसटिवल में भी हिस्सा ले चुके हैं।

Rakesh Mittal, a graduate in science, a graduate in law with honors and a Chartered Accountant is a multifaceted, multitalented personality. He is also a writer. He writes a weekly column in the renowned newspaper Noida News in Noida, a unit of Jagran Publications on world Cinema more than two years continuously. He is the Curator & General Director of the Chitra Bharati Film Festival held in Indore. He is the Director of an academy named Indore School of Performing Arts.

उमा मोहेश्वर राओ (Uma Maheshwar Rao) (Member)

व हिमालय में किसी एक से रूप में कई से कई 30 वर्ष का अनुभव उमा की है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय और भारतीय फिल्म कला की दुनिया में सार्वजनिक निर्माता आयुक्त के रूप में कार्य किया है। उन्होंने एक वरिष्ठ निर्माता के रूप में कार्य किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार परीक्षण की दृष्टि से उनकी कला की समाज सेवा का भाग में कार्य किया है।

Uma Maheshwar Rao has experience of over 30 years as a film journalist. He has received Three Decades as film journalist Award given by Yemsi Arts Theatre. He is the member of Telugu Film Producers Council, Hyderabad. Telugu Film Journalists Association, Chennai. Film Critics Association, Hyderabad. NANDI (AP Government) award jury - 2009, 2010 & 2011 Member and Central Board of Film Certification (Censor Board). Currently he is the Film business consultant to RAMOJI FILM CITY at Hyderabad.

एससी धकौ (SS Bhakoo) (Member)

एससी धकौ, दुरचक्षु के प्रमुख समाधान के रूप में जाना जाता है कि उन्हें सछुरू और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मेगा फिल्मों के निर्देशन और निर्माता का काम सीखा गया। उन्होंने पहले दिनों में 35 वर्ष से एक वर्ष का अनुभव है जो दे कई संस्थाओं द्वारा उनके प्रभावशाली एवं महत्वपूर्ण कार्यों के लिए प्राप्त अवार्डों के लिए स्वीकार किया जा रहा है। उन्होंने पहले दिनों में 35 वर्ष से एक वर्ष का अनुभव है जो दे कई संस्थाओं द्वारा उनके प्रभावशाली एवं महत्वपूर्ण कार्यों के लिए प्राप्त अवार्डों के लिए स्वीकार किया जा रहा है।

SS Bhakoo is recognized as Doordarshan's leading Producer entrusted with the direction and execution of mega productions of national and international importance. He has more than 35 years of experience in TV production and has been associated with many of the major events produced by Doordarshan over the years. He has also produced International Events like NAVI (Non Aligned Meet), COFOM (Commonwealth Head Of Govt. Meet), IFFI and India Africa summit. He produced the studio grandstand shows during the entire 16-day duration of the Commonwealth Games 2010 for which Doordarshan was host broadcaster.
FEATURE FILMS JURY | SOUTH - 1 PANEL

IE MO SINGH (Chairperson)

IMOSINGH

Feeling proud to be part of 18th Panorama - the biggest film festival in India, and to see the growth and development of cinema in the country. As Chairperson of the Feature Films Jury, I hope to contribute to the development of our film industry and encourage younger talents. I have been associated with the film industry for several years and have had the opportunity to work with some of the best filmmakers of our time. I am looking forward to this year's festival and the films that will be showcased.

R.VIMAL (Member)

R.S. VIMAL

An Indian filmmaker from Trivandrum, I am best known for my debut Malayalam film 'Ennu Ninte Moideen'. The film was based on the real-life story of Moideen and Kanchanamola, which took place in the 1960s in Muttukad, Kodukkale. Prior to making his feature film debut, Vimal made a documentary on the same subject, titled Muttukad. Vimal's second directorial venture, Kannan, is an epic historical film based on the Mahabharata.

BOLATI SAKTHIVEL (Member)

Bolati Sakthivel

As the Chairman of the Indira Gandhi Film Academy in Chennai, I am proud to be a part of the 18th Panorama Film Festival. The festival is a great opportunity for filmmakers to showcase their talents and for audiences to discover new and exciting films. I am confident that this year's festival will be a success and will continue to inspire the future of cinema.

SURESH CHANDRA (Member)

Suresh Chandra

As the President of the Indian Film Byron Society, I am thrilled to be a part of the 18th Panorama Film Festival. The festival provides a great platform for filmmakers to showcase their talents and is a great opportunity for audiences to discover new and exciting films. I am confident that this year's festival will be a success and will continue to inspire the future of cinema.

PRIYORKRISHNASWAMY (Member)

PRIYORKRISHNASWAMY

As the President of the Indian Film Byron Society, I am thrilled to be a part of the 18th Panorama Film Festival. The festival provides a great platform for filmmakers to showcase their talents and is a great opportunity for audiences to discover new and exciting films. I am confident that this year's festival will be a success and will continue to inspire the future of cinema.
केएस रामेश (सदस्य) K.S. RAMESH (Member)

केएस रामेश एक फिल्म निर्माता, निर्देशक, अभिनेता और समाज कार्यकर्ता है। उन्होंने कला के क्षेत्र में अनेक अनुभव निभाया है। उन्होंने कई फिल्मों को किया जिनमें वे निर्देशक या निर्माता रहे हैं। उनकी सम्मानना है कि उन्होंने कई अन्य क्षेत्रों में भी अपना समय बिताया है, जिसमें आर्ट्स, शैक्षणिक संस्थाओं के लिए कार्यकर्ता, न्यूज़बुलेटिन्स और मीडिया के क्षेत्रों में भी।

H.N. Maruthi (Member)

एच.एन. मरुथी कन्नड़ फिल्म चर्चा से उत्तर वांचक रेपोर्टरों से पुरस्कृत किया जाता है। उन्होंने निर्देशन और निर्माण के सन 2006 में शुरू करते हुए, उन्होंने वर्तमान में कन्नड फिल्मों के 15 से अधिक संस्करणों का निर्माण किया। उन्होंने कन्नड फिल्म चर्चा के लिए नामित किया है। उन्होंने कन्नड फिल्ड पर काम किया है, शायद अग्रणी कक्षा का चर्चा करने वाले के रूप में।

असलम शीख (सदस्य) Aslam Sheikh (Member)

असलम शीख एक लेखक और निर्देशक है। उन्होंने बीएसएस और जनकल्याण में चालक निर्देशक के रूप में कार्य किया तथा उनकी रचना से उन्होंने कई फिल्में प्रकाशित की हैं। उन्होंने एक दोपहर का दिन भी जीता है। उन्होंने फिल्म निर्माताओं के समेत निर्देशकों के संबंध में काम किया है। उन्होंने फिल्मों को पेश किया है जिनमें उन्होंने निर्देशन का भी काम किया है।

सत्य एस सै (सदस्य) VASANTH S SAI (Chairperson)

सत्य एस सै एक सीन्स से पहले नेट्वर्क के बाहर काम करने वाले की उम्मीद की और उन्होंने कई अन्य कॉम्पनियों के काम किया है। उन्होंने कई फिल्में कैसे किया है और उनकी नतीजतन इस्तेमाल की। उन्होंने फिल्मों को पेश किया है जिनमें उन्होंने निर्देशन का भी काम किया है। 

64वें आधिकारिक विवादिता
THE OFFICIAL CATALOGUE

FEATURE FILMS JURY | SOUTH-II PANEL

जी भागीरथी G. BHAGEERATHA (Member)

जी भागीरथी एक फिल्म निर्माता और निर्देशक है। उन्होंने अनेक फिल्में की हैं जिनमें उन्होंने निर्देशन का काम किया है। उन्होंने फिल्मों को पेश किया जिनमें उन्होंने निर्देशन का काम किया है। 

एन.एन. मारुथी (सदस्य) H.N. MARUTHI (Member)

एन.एन. मारुथी एक कन्नड फिल्म निर्माता है जिन्होंने अनेक वांचक रेपोर्टरों से पुरस्कृत किया जाता है। उन्होंने निर्देशन और निर्माण के सन 2006 में शुरू करते हुए, उन्होंने वर्तमान में कन्नड फिल्ड पर काम किया है। उन्होंने कन्नड फिल्ड पर काम किया है, शायद अग्रणी कक्षा का चर्चा करने वाले के रूप में।

बाहरी फिल्म ज्यूसी | दक्षिण - II पेनल
EN CHANDRA (Director) N. Chandra (Chairperson)

EN CHANDRA (Director) N. Chandra (Chairperson)

2. Divakar (Member)

3. Promod Pawar (Member)

Promod Pawar is a renowned actor in Marathi cinema. He has received awards like best actor's Award by Govt. of India and Shivaji ganeshan Award for Aghaat and worked in movies like Khatarnak, Ashshi Dyamnedhar, Munabi Amrich and many more. He is the member of IDPA, Association of Voice Artists, Akhil Bharatiya Marathi Natya Parishad, Akhil Bharatiya Marathi Chirnpat Mahamandal and Mumbai Marathi Sahitya Sangha.

Gopi Desai has a diversified career - Actor / Filmmaker / Writer. Trained in theatre and films she has conducted theatre and film workshops and created programmes for television. Her films focus on human interest and strong social relevance. She has made several Documentaries, Fiction and Non-Fiction films. Her films have participated in many important National and International Film Festivals.
Madhur Bhandarkar (Chairperson) Madhur Bhandarkar is an Indian film director, screenwriter, and producer. He has directed several films that have been critically acclaimed, including `Page 3` and `Traffic Signal`. He has also directed films like `Shaandaar`, `Just Another Love Story`, `Apur Panchali`, `Chhoti Duniya Chhoti Chhori`, and `Cinemaawaal`, which have been commercially successful. In 2015, he directed the film `SRK TV99` and received the National Film Award for `Best Feature Film in Telugu`.

Kausik Ganguly (Member) Kausik Ganguly is a renowned film critic and editor. He has been associated with telefilms like `Ushninar Jange`, `Ulika`, and `Atithi`. In 2004, Ganguly directed his first feature film `Waaraish`. Some of his notable works include `Shabdha`, `Just Another Love Story`, `Laptop`, `Apur Panchali`, `Chhoti Duniya Chhoti Chhori`, and `Cinemaawaal`. He has also directed a few short films that have been widely appreciated.

Radha Krishna Jagarlamudi (Member) Radha Krishna Jagarlamudi is an Indian film director known for his work in Telugu cinema and Bollywood. He directed his debut film in 2008 with `Ganapathy` and followed it up with `Vadham` in 2010. Both films garnered widespread critical acclaim, and he won the National Film Award for Best Debut Director in 2015.

Mohan Kanda (Member) Mohan Kanda is an Indian civil servant. He has served as Chief Secretary of Andhra Pradesh (AP) in 2005 and is currently working as a member of the National Disaster Management Authority. He has also been a Secretary in the Ministry of Agriculture, Government of India, and served as Chief Secretary in the Government of Andhra Pradesh. In 2015, he was appointed as the Chairman of the National Film Academy, which has been established to promote and encourage the growth of the film industry in India.
35 mm, or any other gauge, or digital format made in any Indian language by a filmmaker, who has released the film in any Indian language, either in 35 mm gauge or digital format. The film must be certified by the Central Board of Film Certification as a feature film in order to be eligible for the feature film category.
BEST FILM ON SOCIAL ISSUES

Prakon (Bengali)
Best Lyrics
Anupam Roy
Best Playback Singer (Female)
Imag Chakraborty
Prajakta (Bengali)
Shamshad Bano
Anupam Roy
Sharabha (Bengali)
Hanan Chakraborty

Pulimurugan (Telugu)
Best Action Direction
Peter Hein
Special Jury Award
V Mohan Lal
Pulimurugan (Telugu)
Sharabha (Bengali)
Hanan Chakraborty

Minnamunnur - the firefly (Malayalam)
BEST ACTRESS
Surabhi C M
Minnamunnur - the firefly (Malayalam)
Sharabha (Bengali)
Hanan Chakraborty

Neenga (Hindi)
Best Hindi Film
Special Mention
Samee Kuper
Samee Kuper
Ramya Mohan
Sharabha (Bengali)
Hanan Chakraborty

Pelli Chupulu (Telugu)
Best Telugu Film
Best Screenplay (Dialogue)
Tarun Bhaskar
Ravi Suresh Panjwani
Sharabha (Bengali)
Hanan Chakraborty

Rustom (Hindi)
BEST ACTOR
Aishwarya R Rajinikanth
Siddharth (Hindi)
Sharabha (Bengali)
Hanan Chakraborty

Sahaj Father Geppu (Bengali)
BEST CHILD ARTIST
Nur Islam
Saiful Alam
Sharabha (Bengali)
Hanan Chakraborty

Sathmanar Bharathi (Telugu)
BEST POPULAR FILM PROMISING
WHOLESALE ENTERTAINMENT
Vishal Subramaniam (Telugu)
Sharabha (Bengali)
Hanan Chakraborty

Shivaay (Hindi)
BEST SPECIAL EFFECTS
Naveen Paul
Shivaay (Hindi)
Sharabha (Bengali)
Hanan Chakraborty

Ventilator (Marathi)
BEST DIRECTOR
Rajesh Mapuskar
Best Editing
Rameshwar Bhalgat
Best Audioromography (Re-recording of the Final Mixed Track)
Akshay De

Wrong Side Roju (Gujarati)
Best Gujarati Film
Sharabha (Bengali)
Hanan Chakraborty

24 (Tamili)
BEST CINEMATOGRAPHY
S. Thirunavukarasu
Best Production Design
Amit Roy & Subrato Chakraborty
24 (Tamili)
Sharabha (Bengali)
Hanan Chakraborty

NATIONAL FILM AWARDS’16 | 047
नर्मद | 105 मिनट
निर्देशन: सुमित्रा भावे और
सुनील सुक्तंकर
निर्माता: विचित्र निर्मिति और
मोहन अगाधे
लेखक: सुमित्रा भावे
संपादक: सोहित ताकतकर
प्रायोजक: धनंजय कुलकर्णी
संगीत: साकेत कानेकर
अभिनेत: इरादत हर्ष, अलोक राजवर्ग, किशोर रूटा, मोहन अगाधे, टेलिकॉम
बास्तवीकरण और संगीत रेडकर

Marathi | 105 mins
Direction: Sumitra Bhave & Sunil Sukthankar
Production Company: Vichitra Nirmitee & Mohan Agashe
Writer: Sumitra Bhave
Editor: Mahit Takalkar
Cinematographer: Dhyananjay Kulkarni
Music: Saket Karetkar
Cast: Irawati Harsh, Alok Rajwade, Kishor Kadam, Mohan Agashe, Devika Daftardar & Santosh Redkar

परिचय | PROFILE

चुमौत्रा भावे, सुनील सुक्तंकर (Sumitra Bhave, Sunil Sukthankar)
एक सामाजिक वैज्ञानिक—शोधकर्ता सुमित्रा भावे ने 1985 में सुनील सुक्तंकर के साथ फिल्मस्थलिक के क्षेत्र में प्रवेश कर दिया था।
उन्होंने 14 फीचर फिल्म, 50 से अधिक ट्विल फिल्म, 5 टीवी धारावाहिक और टेलीफिल्म भी निर्मित की है।

Sumitra Bhave, a social scientist-researcher turned to filmmaking with Sunil Sukthankar in 1985. They have directed 14 feature films, 50 short films, 5 TV serials and tele-films.

मोहन अगाधे, विचित्र निर्मिति (Dr. Mohan Agashe, Vichitra Nirmitee)
मोहन अगाधे एक अभिनेता और एक समाजवादी है। उन्होंने स्वास्थ्य और सामाजिक मुद्दों पर बात करने के लिए मनोरंजन का उपयोग किया। सुमित्रा भावे और सुनील सुक्तंकर, विचित्र निर्मिति के साथ मिलकर स्वतंत्र और कलात्मक रूप से सामाजिक विषयों को रंग दिया है।

Dr. Mohan Agashe, an actor and psychiatrist, chooses the entertainment route to communicate health and socially relevant issues. Sumitra Bhave & Sunil Sukthankar, independently and artistically express the socially important subjects with Vichitra Nirmitee.
कश्चार - शराकभुजा कानकी तरसक गांव में बसा जा रहे समुद्री काकुत्य जंगल में जीवन के अर्थ को खोजने की कोशिश कर रही है। इसे दोरों वो अचानक एक अज्ञात युवक नामक से निकलती है, जो अस्तित्व से भाग जाता है जहां उसे आत्महत्या की कोशिश करने को लेकर मर्म से किया गया था। कानकी उसकी मदद के लिए जैरी-निश्चर, बिना दबाव गांव, सफाचार्य सामाजिक बलने की कोशिश करती है।

Synopsis - Janaki, a divorcée trying to find meaning of life in sea-turtle conservation project run in a coastal village; during travel she accidentally meets an anonymous young man Manav who has escaped from the hospital where he was in for attempted suicide. Janaki tries to create a non-judgmental, non-intrusive, warm atmosphere to help him bloom.

Contact: vichitrarnimit@gmail.com
अलीफा
निर्देशक की पहली फ़िल्म के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार
Alifa | Indira Gandhi Award for Best Debut Film of a Director

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 1,25,000/-

Bengali | 109 mins
Direction & Screenplay: Deep Choudhury
Production Company: Arman Productions
Editor: Rubiranjan Maitra
Cinematographer: Nahid Ahmed
Music: Bickram Ghosh
Cast: Boharul Islam, Joya Seal Ghosh, Pakija Hasm & Royan Abdul

परिचय | PROFILE

दीप चौधरी (Deep Choudhury)

कई चीजों में रूढ़ियाँ रखने वाले दीप, अंग्रेजी साहित्य में अपनी स्थापना सत्र की पहली पूरी करने के बाद, वे तब तक कई गीतकारीय चरित्र रहे, जब तक कि उन्हें एहसास हुआ कि फिल्म निर्माण उनका जुनून है।

उन्होंने वर्ष 2014 में पुंबई शोर्ट्स इंटरनेशनल फॉक्स्टिल में शिक्षित सूरमाई के लिए स्वर्जमान निर्देशक जुजू पुरस्कार प्राप्त किया था।

Deep Choudhury, a man of many interests, completed his graduation in English literature and continued doing many odd jobs till found his passion in film making. He received Best Director Jury Award in Mumbai Shorts International Festival in the year 2014 for Fishing Surmai.

अर्मान प्रोडक्शंस (Arman Productions)

वर्ष 2015 में आर्मान अहमद ने सिनेचित्र बनाने की उद्योग के लिए अर्मान प्रोडक्शंस की स्थापना की गई थी। वे से व्यापक और भोलंपुर में अपने अपने कामों के माध्यम से आर्मान अहमद अपने नाम में हमेशा राजा और संस्कृति के रूप में कुछ करने की युद्ध रखते थे। अलीफा, अर्मान प्रोडक्शंस का पहला प्रयास है।

Arman Productions was established in the year 2015, with the vision of producing meaningful cinema. Arman Ahmed the sole proprietor of the production firm a business man by profession had always in his mind this vision of doing something in the field of art and culture. Alifa is the maiden endeavour of Arman Productions.
Synopsis - Alifa is a saga of human-wildlife conflict competing with basic questions of love, hatred, dreams and desires as well as the frailties of human nature and wider social bonding. Ali, a daily wage earner living in the vicinity of a sprawling city, has to cope with uncertainty, hardship and abuses. He finds solace in his hardworking, young wife and their two children. As fate would have it, Fatima developed an affair with a co-worker that caused grave injury to Ali’s faith and longing for her. What follows is the hardest fate befalling Ali’s family.

Citation - It brings out the nuances of a very complex socio-environmental problem.
Satish Vegesna is an Indian film screenwriter, dialogue writer and director known for his works exclusively in Telugu cinema and comedy films.

Sri Venkateswara Creations is an Indian film production company based in Hyderabad. The company was established in 2003. It has produced several Telugu films. They have also started distribution of films in the industry.
**Synopsis** - The film which deals with "tradition-technology conflict", "joint family vs nuclear family", and "mid-life crisis".

An old couple who live with their grandson, yearn for the love of their children who live abroad and hardly visit them. The couple hatch a plan to make their children come home.

**Citation** - In appreciation of providing a feeling of jubilation by respecting family values in an unexplored manner.

Contact: seshu.kolanu@gmail.com
Dikchau Banat Palax
राष्ट्रीय सदमाव और एकता के लिए
सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म को नर्गिस दत्त पुरस्कार

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,50,000/-

Assamese | 117
Director & Writer:
Sanjib Sabhapandit
Production Company:
Canvascope & Assam State Film Corporation (Finance & Development)
Editor:
Sourabh Dutta
Cinematographer:
Parashar Borah
Production Designer:
Gautam Dcs
Cast:
Mala Goswamy, Kulada Kumar Bhattacharjee, Lolonla Aa & Chinmoy Chakravarty

संवाद संभांधित (Sanjib Sabhapandit)

Sanjib Sabhapandit, is an entrepreneur, designer, columnist, writer and film maker. He has made short feature films and documentaries besides directing an 88 episode North East Council project on North East India. He also acted in the internationally acclaimed film director Jahnu Barua's film Kuhkhol.

Canvascope is a production house owned by Upal Kumar Das. The Assam State Film (Finance & Development) Corporation aims to uphold, develop and promote the legacy of Assamese Cinema.
Kathasar - Дикхоу, бандит палласа, кай дархако не вишита чинамано не ека нага майдица сукхано дхау 1946 में उन्होंने मार्क्सिस्ट सरकार द्वारा अत्याचार से तड़पने को लेकर अपने गृह दिले से हटा दिया गया था। वे बाद में नागा हिल्स वापस जाने के बारे में बोलते हैं, जो कि अकेले का एक हिस्सा है। हालांकि हमींद्रयास, कुछ कारणों की कारण से उन्हीं अलग होना पड़ा। जब और कोलकाता के प्रवास के बाद, वे अन्ततः पर वापस आ गए थे, लेकिन कीवन की बांद्विकताओं की वजह से वे अपनी प्रेमिका के पास नहीं आ सके। हालांकि उसने अपनी ज्यादा में उसे हमेशा चिंता रखा, दो दिमागो दोनो पढ़ने के बाद प्रेमिका विवरण में हो गया हो जाता है और सेवनी भी गृहु को लोक उसने लगता है। अब दोनों की अलगाव साथ मिलना चाहती है।

Synopsis - Dikhow Bonet Palace explores the relationship of a freedom fighter and a Naga woman through decades of separation. In 1946, he was banished from his home district in Assam by the British for fighting against the empire. He wandered his way back to the Naga Hills, then a part of Assam. But as destiny would have it, they got separated in some bizarre turn of events. Through a sojourn of jail and turmoil, he ultimately came back home. But the realities of life prevented him from going back to his beloved. Although he kept her alive in his diaries, after two brain strokes, she vanished into oblivion and he was sliding towards death. His soul is now possessed to meet his soul mate.

Citation - The film brings out oneness of our feelings amid differences.

Contact: utpal_das57@yahoo.com
पिंक
सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म
Pink | Best Film on Social Issues

रजत कमाल | RAJAT KAMAL ₹ 1,50,000/-

 Hin Di | 131 मिनट
निर्देशन: अनिरुध रॉय चौधरी
निर्माता: रश्मि शर्मा फिल्म्स, राजिंग सन फिल्म्स, सरस्वती एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड और शील कुमार
लेखक: रितेश शाह
एक्टर: कॉम्बिनेट संयोजनस्वायत्त
इंटर्स्तेक: अंकित मुखोपाध्याया
अभिनेता: अमिताभ बच्चन, तापसी पन्नू, कृति कौल, एंद्रीया तरियावर्मा और अंगद बेदी

Hindi | 131 mins
Direction: Aniruddha Roy Chowdhury
Production Company: Rashmi Sharma Films, Rising Sun Films, Saraswati Entertainments Pvt. Ltd. & Sheel Kumar
Writer: Ritesh Shah
Actor: Bodhadipta Bandopadhyay
Cinematographer: Avik Mukhopadhyay
Cast: Amitabh Bachchan, Tapasee Pannu, Kirti Kulhari, Andrea Tariang & Angad Bedi

परिचय | PROFILE

अनिरुध रॉय चौधरी (Aniruddha Roy Chowdhury)

अनिरुध रॉय चौधरी, एक भारतीय फिल्म निर्देशक है, जो सामाजिक पूरकता वाली बंगाली फिल्म 'अनुरूपता' और 'अंतताही' में सफल रही। 'पिंक' उनकी पहली हिंदी फिल्म है। निर्देशन करने के साथ, वे एक अभिनेता और सेट वाइल्डर्स भी हैं।

Aniruddha Roy Chowdhury, is an Indian film director, known for exploring the intricacies of human relationships in National Award-winning Bengali films 'Anurajna' and 'Antaheen'. 'Pink' is his debut hindi film. Apart from being a director, he is also an actor and a sarod player.

रश्मि शर्मा फिल्म्स, राजिंग सन फिल्म्स, सरस्वती एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, शील कुमार
फिल्म का निर्माण ब्राउजर शोरूम्बना आयडिया द्वारा किया गया है, जिसमें रश्मि शर्मा का रश्मि शर्मा फिल्म्स और सुपोषण सिंह का राजिंग सन फिल्म्स और सरस्वती एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड शील कुमार शामिल हैं।

Pink has been jointly produced by Rashmi Sharma Films owned by Rashmi Sharma, Rising Sun Films owned by Soojit Sircar, Saraswati Entertainments Pvt. Ltd. & Sheel Kumar
Synopsis - Minal, Falok and Andrea, three young girls, from different parts of India, stay together as tenants in a posh South Delhi locality. In the same locality, stays the mysterious and ominous figure, 'Deepak Sehgal', a yester-year 'big league' lawyer. One night, which was supposed to be a girls' night out, becomes for them a dark truth that would continue to hound their future. Soon after, Minal is charged for 'attempt to murder', where she could face imprisonment for more than 10 years, if convicted. 'PINK' is a social thriller that reflects on the dubious morals of today's times.

Contact: mrsashm2002@gmail.com
हांतबम पबन कुमार (Haobam Paban Kumar)

हांतबम पबन कुमार देश के प्रमुख वृत्तचित्र निर्माता हैं। उन्होंने एसआरएएफटीआई से निर्देशन और पटकथा में स्नातकोत्तर किल्लर किया है। उन्होंने कुछ तलाशनुमाय कार्यों में एचएसएसफीए 1958, 'सागाईक' लश्निका, 'ए कैर्ड इन द डार्क', 'द कॉर्ट लीज़', 'मिस्टर इंजिनियर', 'रूटर्स सिंग', 'सुगिशबी' आदि सामिल हैं। उन्होंने 5 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त किए हैं और उनकी 5 फिल्में भारतीय पैलेस में व्यवन की गई थीं।

Haobam Paban Kumar is one of the leading documentary film-maker of the country.

He has a 3 Year Post Graduate Diploma in Direction & Screenplay writing from SRFTI. Some of his notable works are 'AFSPA 1958', 'Ngaihak Lambido', 'A cry in the dark', 'The first leap', 'MR INDIA', 'Ruptured Spring', 'Nupishabi' etc. Haobam has 5 National Film Awards and 5 Indian Panorama Selections to his credit.
**Synopsis** - Loktak Lake is a unique ecosystem where fishermen lived in huts built on floating biomasses. In 2011 the authorities, in the name of protecting serenity of the ecosystem, burnt down hundreds of these crumbly huts leaving thousands of fishermen homeless. Tomba, one of the victims, lives with a harrowing nightmare of looming displacement since then.
धनक
सर्वश्रेष्ठ बाल फ़िल्म
Dhanak | Best Children's Film
स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 1,00,000/-

हिंदी | 106 मिनट
निर्देशक और लेखक:
नागेश कुकुनूर
निर्माता: दृश्यम फिल्म्स और
एसआईसी प्रोडक्शंस
संयोजक: बाबाजी दत्ता
छायांकर: चिरंजीत दास
संगीत: तापस रेलिया
अभिने्ख: कृष्ण छाबड़हरिया,
हेटल गांडा, विरिंद शर्मा और

नागेश कुकुनूर (Nagesh Kukunoor)

पेशे से एक रसायनक इंजीनियर, नागेश कुकुनूर ने ऑटलांटा में पर्यावरण संगठन के तौर पर देरी व बने कार्यक्रमों को छोड़कर, अपनी मित्रों के साथ बाल फिल्म की भारतीय फिल्म बनी।

A chemical engineer by profession, Nagesh Kukunoor gave up his career as an environmental consultant in US and using his personal savings wrote, produced, acted in and directed his immensely successful debut film, Hyderabad Blues.

परिचय | PROFILE

दृश्यम फिल्म्स, एसआईसी प्रोडक्शंस (Drishyam Films, SIC Productions)

दृश्यम फिल्म्स फिल्म निर्माता मनीष मुंडा द्वारा स्थापित स्टूडियो है। एसआईसी प्रोडक्शंस एक प्रोडक्शन दायक है, जिसे नागेश कुकुनूर और एलाह खिद्राला ने स्थापित किया है।

Drishyam Films is a studio set up by film producer Manish Mundra. The studio aims to build a platform for unique voices of Indian independent cinema. SIC Productions is a production house founded by national award winner director Nagesh Kukunoor and Elahe Hiptoola.
Synopsis - Dhanak’s story revolves around the wonderful relationship between a 10-year-old girl Pari and Chotu, her 8-year-old brother who live in a picturesque village nestled among the sand dunes in the desert state of Rajasthan, India. Having lost their parents to an accident at a very early age, they live with their uncle and aunt. What unfolds is a magical journey that only the innocence of childhood allows you to experience. Chotu and Pari meet a host of colorful characters who sometimes help and sometimes thwart their plan but always nudge them one step closer to their destination. Dhanak is an enchanting fable that reinforces the belief that life is beautiful.

Contact: mmundra@gmail.com
महायोद्धा राम
सर्वश्रेष्ठ एनिमेशन फिल्म
Mahayodha Rama | Best Animation Film
स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 1,00,000/-

हिंदी | 106 मिनट
निर्देशक: अभिमनुष सिंह
निर्माता:
कॉटिलॉइ पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड
विशेष प्रमाण: निर्मित: महायोद्धा
और नरसिंह
एनिमेशन: दीपक स्व गुरोध
वोइस ऑवर: गुलशन ग्रोवर, कुमाल
कपूर, जिनी रेतिन, मैनी संगम, नियागिय
सरदारियां अमरसिंह और रवि सुराद

Hindi | 106 mns
Direction: Abhimanyu Singh
Production Company: Contiloe Pictures Pvt. Ltd.
Special Effects: Nishikant
Mochaputra & Bharat Misty
Animator: Deepak S.V
Voice Over: Gulshan Grover,
Kunal Kapoor, Jimmy Shergill,
Mouni Roy, Late Sadashiv
Amrapulkhar & Raza Murad.

परिचय | PROFILE

रोहित वैद (Rohit Vaid)

रोहित वैद भारतीय टीवी की दूसरी पीढ़ी के अग्रणी हैं,
जिन्होंने हमें टीवी की वास्तविक दुनिया से सूची
करवाया। वे हिन्दी और पंजाबी पर
अभिनय दल तिग्डूम और सीआईए घरेलू
कार्य करते हैं।

Rohit Vaid is the second generation of the pioneers of
Indian television who introduced us to the world of Reality
TV. He brought in a new wave of children's programming
on Disney and Pogo with shows like Agdam Bagdarn
Tigdham and CIA.

कॉटिलॉइ पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड
(Contiloe Pictures Private Ltd.)

कॉटिलॉइ पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड तत्कालीक और
tv-तत्कालीक फिल्म और
cartoon स्वागत के प्रमुख
tv-रिमिसों में से एक है। इन
पश्चिम में, कॉटिलॉइ ने अपनी
शैली गुजरात के वैश्विक
स्तर के लिए कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं।
कॉटिलॉइ पिक्चर्स तत्कालीक और
tv-तत्कालीक फिल्म और
cartoon स्वागत के प्रमुख
tv-रिमिसों में से एक है।
Contiloe Pictures Private Ltd. is one of India's leading
producers of Factual and Non-factual programming.
Over the years, Contiloe has received numerous awards
for its top quality productions. Contiloe Pictures prides
itself on quality and excellence at a National and
International level.
Deepak SV is an awarding winning animator. He is also the Creative Director of the film Mahayodha Rama.

Synopsis - Mahayodhha Rama retells the great epic of Hindu god, Rama. In this epic, Rama is born to King Dashrath and as an adult fights the 10-headed demon Ravanna. It is the epic Ramayana narrated in a different way, this time from the perspective of Ravana.
Maj Rati Kateki | Best Assamese Film

Rajat Kamal | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

Arsami | 117 निंटेज
निर्देशन और लेखक: सांतना बर्दोलैज़
निर्माता: Udara Films
संवाद: उष्मा बर्दोलैज़
छायांकर: गनाना शेकर विनाय
प्रोजेक्शन डिजाईन: उष्मा बर्दोलैज़
अभिनेत्री: आदित्य भूरस और ममिला तालुकदार

Assamese | 117
Director & Writer: Santwana Bardoloi
Production Company: Udara Films
Editor: Ushma Bardoloi
Cinematographer: Gnan Shekar, V.S
Production Design: Ushma Bardoloi
Cast: Adil Hussain & Moumita Talukdar

Santwana Bardoloi
Accomplished radio/theatre actress Santwana Bardoloi is well known in the cultural world of Assam. Her first directorial venture Adaaya (1996) was selected for the Indian Panorama and also invited to many international film festivals.

Udara Films
Udara Films is a proprietorship firm owned by Santwana Bardoloi. It started as a non-profit, small but well-equipped auditorium with the purpose of promoting good cinema.
Synopsis - After a long gap of more than ten years, renowned writer Priyendu Hazarika returns to the town where once he was inspired to begin his journey as a writer. Memories stir and he remembers people he loved and lost. At the end of the day however, he decides to face his own truth, alone, away from the appreciative audience.

Citation - It showcases how past affects the present if not by choice then by chance.

Contact: dsabarioloi@gmail.com
**Bisorjon**
**Sarvashresth Bangla Film**

Bisorjon | Best Bengali Film

राजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

<table>
<thead>
<tr>
<th>Bengali</th>
<th>139 mins</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>Director &amp; Writer: Kaushik Ganguly</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>Production Company: Opera Movies</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>Editor: Subhajit Singho</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>Cinematographer: Souvik Basu</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>Costume: Churni Ganguly</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>Cast: Abir Chatterjee, Joya Ahsan</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

**оборотти (OPERA)**

**कौशिक गंगुली (Kaushik Ganguly)**

कौशिक गंगुली प्रतिष्ठित ‘पूर्वस्की कॉलेज’ पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले

Kaushik Ganguly was the first South-East Asian to receive the prestigious ‘UNESCO FELIN’ award for ‘Cinemawala’. His films have been selected by the Indian Panorama for the last seven years consecutively and he has represented India in the International Competition Section in IFFI for four years.

**OPERa MOVIES**

साल 2009 में, संगीत और हिंदी के क्षेत्र में कुछ संस्थानों के के खिलाफ दो निजी संस्थाओं (सेरेमिनेशन और आर-एन) के निदेशक सुपर्नातली कहानी के **OPERA Movies** की स्थापना की थी। ‘Bisorjon’ ऑपरा द्वारा नामित गई पहली फिल्म है इसका _______ समाप्ति समाज में कहानी के माध्यम से संकल्पनात्मक फिल्म है।

OPERa Movies was established by Supranakanti Karati, the Director of two private academic institutes (Academics & The EDGE), in the year 2016 with the dream to do some good work in the field of music and cinema. ‘Bisorjon’ is the first film produced by OPERa. Its motive is to spread positivity in the society through art.

066 | feature films
**Synopsis** - 'Bisorjon' is the story of this love between Bangladesh and this side of Bengal, West Bengal. The story is set in quite the opposite approach. A suburban Muslim boy from West Bengal finds shelter at a Bangladeshi Hindu widow's house. This story is the tale of friendship and love between the two Bengals and the Hindus and Muslims that comprise it; separated by history but united by time.

**Citation** - A visual poem which effortlessly liquidates geographical boundaries with an eraser made of love and hope.

**Contact:** drhabiboloi@gmail.com
राम माधवाचैन (Ram Madhvani)

With over 20 years of experience in the profession Ram Madhvani has worked with every important advertising agency in the country to become one of India’s most respected filmmakers. His debut feature film Let’s Talk premiered at the Locarno Film Festival.

नीरजा सर्वश्रेष्ठ हिंदी फ़िल्म

Neerja | Best Hindi Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

Hindi | 122 mins
Direction: Ram Madhvani
Production Company: Fox Star Studios & Bling Unplugged
Editor: Monisha Baldawa
Cinematographer: Mitesh Mirchandani
Production Design: Aparna Sud & Anna Ipe
Music: Vishal Khurana
Cast: Sonam Kapoor, Shabana Azmi, Jim Sarbh, Yogendra Tikku & Shekhar Ravjiani

परिचय | PROFILE

राम माधवाचैन (Ram Madhvani)

With over 20 years of experience in the profession Ram Madhvani has worked with every important advertising agency in the country to become one of India’s most respected filmmakers. His debut feature film Let’s Talk premiered at the Locarno Film Festival.

Fox Star Studios, Bling Unplugged

Fox Star Studios & Bling Unplugged

एक भारतीय फिल्म निर्माण और विकास कंपनी है।

बिंग अनप्लग्ड एक फिल्म प्रोडक्शन हाउस है,

जिसका नेतृत्व अनुज कर्झेकर, शांति सिबरम मैनी, पिया साहनी और रवती अध्याय कर्तवी है।

Fox Star Studios is an India-based movie production and distribution company. Bling Unplugged is a film production house, spearheaded by Anuj Kasbekar, Shanti Sivaram Moihi, Pya Sawhney and Swati Iyer.
Synopsis - ‘Neerja’ is a biopic and a cinematic representation of the dramatic events that unfolded on September 5th, 1986 when Pan Am Flight 73 from Bombay to New York was hijacked at its transit at Jinnah International Airport in Karachi, by Palestinian extremists from Abu Nidal’s terrorist outfit. This is the story of Neerja Bhanot, a 22 year old part time model, who was the head purser on the flight. This is a portrayal of Neerja’s strength, courage and sacrifice and an attempt to bring before the world this lesser known Indian hero’s story, so that she becomes an example and inspiration to young girls all over, for generations to come.

Citation - A sensitive story of a valiant battle brought alive with cinematic brilliance.

Contact: shahana.dasgupta@n.foxtostudios.com
रिजर्वेशन
सर्वश्रेष्ठ कन्नड फ़िल्म
Reservation | Best Kannada Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹1,00,000/-

कन्नड | 91 मिनट
निर्देशन: निधित्व मंजूृ
निर्माता: थोटाडमाने
संपादक: एन.आदित्य कुणिगल
छायाकार: पैरीआर रवानी
संगीत: समीर कुलकर्णी
अभिनय: मंजूृ, मानसी सुधीर
और श्रीनिवास मेलतार

Kannada | 91 mins
Direction: Nikhil Manjoo
Production Company: Thotadamane
Editor: N Adithya Kunigal
Cinematographer: PYR Swamy
Music: Sameer Kulakarni
Cast: Nikhil Manjoo, Manasi
Sudhir & Srinivas Meshrtru

परिचय | PROFILE

निधित्व मंजूृ (Nikhil Manjoo)

निधित्व मंजूृ एक भारतीय फिल्म अभिनेता और निर्देशक है, जो मुख्यतः कन्नड फिल्म उद्योग में काम करते हैं। उनकी पहली फिल्म हज, 2013 में बनाई गई और उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, निर्देशन और पटकथा के लिए तीन राजपुरुष पुरस्कार भी प्राप्त किए हैं।

Nikhil Manjoo is an Indian film actor and director, who works primarily in the Kannada film industry. His earlier film Hajo, made in 2013, won three state awards for best actor, direction, and screenplay.

थोटाडा माने (THOTADA MANE)

थोटाडा माने एक फिल्म शृंखला है, जिसने दशक में एक बहुमुखी साहित्यिक रचनात्मक अभिव्यक्ति के रूप में विविधताओ का श्रेय जाता है।

"THOTADA MANE" is a film production house which has a heritage in holding a versatile literary on creative expressions across decade. Located in Gulgavdi, a place near Kundapura in Coastal town of Karnataka, it holds the credit of expanding the creative psyche of the people of this area.
कथासार - किंतु ने महात्मा गांधी के दिनियां के आसपास की भीमी के अंतर्गत और नवीन धरोहर का प्रसार से वर्णन किया है, जो कि देश में प्रयोगित है और जिसे हर कोई आपने जीवन में भी अनुभव कर रहा है। किंतु इस न्यायसम्पत्ति नहीं मान सकता और इसके आवाज पर आसानी से धरणा नहीं बना रूकता।

Synopsis - The film elaborates the effect and repercussions of the reservation policy on the various segments of the society which is prevailed in India and one can also see it as a Pan-Indian phenomenon. One can’t justify it and also can’t make value judgments very easily on it.

Contact: yk.gulvady@gmail.com
राजीव शिंडे (Rajeev Shinde)

Rajeev Shinde has been actively involved in theater activities for the last 30 years as playwright, director and set designer. A recipient of numerous awards and felicitations, he was nominated at IFFI 2009 for the Vasundhara Award.

दी गोआ स्टूडियो (de Goan Studio)

The film has been produced by de Goan Studio, a production house owned by Rajesh R Pednekar, who is a theatre enthusiast actively involved in theater activities for the last 30 years.
कथारा - ‘के सेवा सेवा’ ‘क्या हम जीवन जीते हैं ... या जीवन हमे जीता है...’ की आकारणा के चारों ओर घुमती है। यह कहानी दो ऐसे व्यक्तियों के बारे में है, जिन्हें एक परिस्थितियों को सटीक और निरीक्षण फ़ैसलों के साथ बदलने में विश्वास करता है और दूसरा दक्ष आसपास की परिस्थितियों के साथ अपने आपको बदलने में विश्वास करता है और निश्चित है कि परिस्थितियाँ शिवाजी का मार्ग निर्धारित करती हैं।

Synopsis - The film is a story of two distinct individuals, one who believes in changing the circumstances with precise and definite decisions and the other who believes in drifting with the situations around and let the circumstances decide the course of life.

प्रशिक्षा - दो अलग-अलग कहानियाँ जो एक साथ जीवन की अनिवार्यता दर्शाती है।

Citation - Two different stories which simultaneously bring out the inevitability of life.

Contact: rrpeinoki.5@gmail.com
Mahanjito Pratikaram
सर्वश्रेष्ठ मलयालम फ़िल्म
Maheshinte Pratikaram | Best Malayalam Film
रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

Malyalam | 121 mins
Direction: Dileesh Pothan
Production Company: Dream Mill Cinemas and Entertainment Pvt. Ltd.
Writer: Syam Pushkaran
Editor: Soju Sreedharan
Cinematographer: Shyju Khalid
Music: Bijibal
Cast: Fahadh Faasil, Aparna Balan, Curry, Alencier, Souebin Shehriar & Anusree

परिचय | PROFILE

Dileesh Pothan (Dileesh Pothan)

Dileesh Pothan is an Indian film director and actor known for his Malayalam films. He has acted in popular films like Salt N' Pepper, 22 Female Kottayam, Idukki Gold, Gangster, and Iyobinte Pusthakam.

Dream Mill Cinemas and Entertainment Pvt. Ltd.

Dream Mill Cinemas and Entertainment Pvt. Ltd. is a Media Production House that creates movies, advertisements, corporate films and more. Founded by director Aashiq Abu, it has set a mark in the Malayalam film industry in a very short span of time.
Synopsis - Mahesh, with a suffix Bhavana, the name of his photography studio, leads a simple life. He lives with his father Vincent who was a film-era photographer. Mahesh is in love with his schoolmate Soumya who works as a nurse. And he also enjoys the company of his long time companion Baby who has a design firm next to his Bhavana studio.

Mahesh's life takes an unexpected turn when he is drawn into a small fight between Baby and a next-town tough guy Jimson. The movie develops through a string of small yet significant incidents in the village and the evolving relationship between its inhabitants.
रंगनील क्रिएशंस (Rangneel Creations)

रंगनील क्रिएशंस की स्थापना कल्पना विलास कोठिरी ने की थी। वह संदीपीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की सदस्य भी रही है।

रंगनील क्रिएशंस का छोटा, प्रपंजल (37 फुसफुस), बाग इंडस्ट्री साथ नाही और अतिथि देख देवो बन जाते कई व्यावसायिक नाटकों की निर्माता भी हैं।

Rangneel Creations was founded by Ms. Kolpana Vilas Kothari. She has also been a member of the Central Board of Film Certification. She has been the producer of several plays like Prem Naam Hai Mer, a Prem Chopra, Proposal, Bhay Itile Sampat Nahi and Atithi Devo Bhav.

संदीप भालचंद्र पाटिल (Sandeep Bhalchandra Patil)

Sandeep Bhalchandra Patil has a degree in B.Sc. Physics but he found his true roots on the stage of Ruia college. He has been working as an assistant director in many short films, ads and feature length films since his college days.

राजकामल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

Marathi | 139 mins
Direction: Sandeep Bhalchandra Patil
Production Company: Rangneel Creations
Writer: Sarijay Krishnaj Patil
Editor: Sunil Narayan Jadhav
Cinematographer: Mahesh Aney
Music: Amirraj
Cast: Master Aarya Adhar, Dilip Prabhavalkar, Monaj Joshi, Aditi Deshpande, Milind Shinde & Nandkishor Chagule
**Synopsis** - 'Dashkriya' is the story of Bhanudas's enterprise, resourcefulness and hardworking nature. Dashkriya highlights the trials and tribulations of the society that is caught in age old traditions, various communities that are tied together to earn livelihood at the same time ridden with the norms of the caste system.

**Citation** - For depicting an age old tradition and exposing its darker side.

Contact: sanjayspan11967@gmail.com
परिचय | PROFILE

Raju Murugan (Raju Murugan)

Raju Murugan, born in Abhivireethiswaram, a small remote village in Tamil Nadu, did several odd jobs being a diploma holder. He came to Chennai with a dream to become a lyricist. He made his debut in the year of 2014 with the Movie called 'Cuckoo'.

Dream Warrior Pictures (Dream Warrior Pictures)

Dream Warrior Pictures is a Chennai based company founded in 2010. The film production company involves in wholesome production process from script selection, casting, budgeting, production designing, production, sales, promotion and distribution.
Synopsis - Mannar Mannan, a villager who declares himself as President of India, always opposes the Government’s and Government official’s absurdities in and around his village through various protests. He is treated as Joker by the people of his village and nearby. He has a twisted past. The movie will end with a question to the audience “Who’s the real Joker?”

Citation - A tragic and poetic narrative of an individual's struggle for a basic need in day to day life, with an adequate dressing of sarcasm.

Contact: workshopsubmissions@gmail.com
**Peli Choppulu | Best Telugu Film**

राजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

**Telugu | 126 mins**
Director & Writer: Tharun Bhascker
Production Company: Dharanapatha Creations
Editor: T. Ravi Teja
Cinematographer: Nagesh Banewell
Music: Vivek Sagar
Cast: Vijay Devarakonda, Rithu Varma, Priyadarshi & Abhoy

---

**Parichay | PROFILE**

**Tharun Bhascker Dhaassym**

**Taran Bhasker Dhasaam** | Tharun Bhascker Dhaassym, an alumnus of the Hyderabad Public School, began his film making journey in his final year at school when he made the farewell video for his graduating class. Always recognized as a good artist, Tharun went on to do a Diploma in filmmaking from NYFA in 2011.

**Dharanapatha Creations** | Dharanapatha Creations was founded by Raj Kandukuri, a film production and distribution firm based in Hyderabad, India. The film banner has produced over 10 films and distributed several other works of cinema over the years.
Synopsis - The film is a coming-of-age romantic comedy which showcases the stories of two individuals whose approach to life is as different as chalk and cheese. Kiku is a level-headed woman with her eyes on making money, and Vijay has his head in the sky always. He wants to marry a woman because the woman's father offers to pay him dowry and that's enough for him as he is convinced that he's a good-for-nothing teenager in a grown up man's body.

Contact: raj696@gmail.com
Mikhil Musale (Mikhil Musale)

Mikhil Musale was born & brought up in Ahmedabad. While pursuing Engineering he started making films. He has directed more than 30 Television Commercials up till now for various category of brands from all over India & across.

Production Company: Cineman Productions, Phantom Films

Wrong Side Raju is a joint production of Cineman Productions owned by Nayan Jain and Phantom Films, owned by Anurag Kashyap, Vikas Bahl, Vikramaditya Motwane and Madhu Mantena.
Synopsis - Raju Ambani, a driver by day and bootlegger by night, is a simple and charming guy who dreams of opening up his own travel agency someday. He falls in love with Shaily Asher, a French girl who has come down to Ahmedabad at the behest of her friend Tanmay Shah. Life was seemingly perfect for Raju till he finds himself unwillingly stuck in a hit and run situation involving Tanmay, who happens to be the son of an affluent lawyer, Mr. Amitabh Shah. The case intensifies as the story progresses.

Citation - For highlighting the ethos of moral dilemma

Contact: info@cineman.in
रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

मोरन | 90 मिनट
निर्देशक: जयचेंग जय दोहुमिया
निर्माता: मयामारा प्रोडक्षन
लेखक: माकर ज्योति दास और जयचेंग जय दोहुमिया
संपादक: दिगंबर बोरा और जयचेंग जय दोहुमिया
बाषाएँ: हिंदी बोला
अभिनेता: बंडोई सेवाया, योगी अस्पुरा, निरंदिता बकुआ और जो० मोहन

Moran | 90 mins
Direction: Jaicheng Jai Dohutia
Production: Mayamara Production
Writer: Bhaskar Jyoti Das & Jaicheng Jai Dohutia
Editor: Diganta Bora & Jaicheng Jai Dohutia
Cinematographer: Chida Bora
Cast: Bandai Chetia, Bishal Anurag, Nivedita Banush & Jitu Moran

परिचय | PROFILE

जयचेंग जय दोहुमिया (Jaicheng Jai Dohutia)

जयचेंग जय दोहुमिया अपने अलग वृत्तिलोगों और मूल रचनात्मक कार्यों के लिए जाने जाते हैं। लेखक, निर्देशक, निर्माता जैविक जय दोहुमिया अपने संगठन से स्वतंत्रता करने के बाद उन्होंने सभी कथाएं और उनके बिंदु के बाद ही।

Jaicheng Jai Dohutia is known for his different approach and original creative works. By profession writer, director, producer Dohutia was born in Assam. In 2009, after completing his film graduation from Jyoti Chitraban Film & Television Institute, Guwahati he examined with shorts and documentaries.

मयामारा प्रोडक्षन (Mayamara Production)

Mayamara Production was incepted by Jaicheng Jai Dohutia with the mission of making independent films, documentary & other video installation arts.

वर्ष 2008 में, जयचेंग जय दोहुमिया ने स्वतंत्र फिल्म, दृश्यों और अन्य वीडियो बनाने के उद्देश्य के साथ मयामारा प्रोडक्षन को स्थापित की थी।

In the year 2008, Mayamara Production was incepted by Jaicheng Jai Dohutia with the mission of making independent films, documentary & other video installation arts.
Synopsis - Heramoni, mother of untraced extremist Mukti, whose last rites she had performed receives intimation that his death cannot be confirmed by the outfit and knows not how to respond while Biplob, who had left the outfit and is alone, unable to be part of the mainstream surrendered rebels, has his own problems of existence.
Chetan Mundadi, a veteran of 15 years in the film industry, has worked as an art director for Kannada films like Apathamitra and Kariya, reality shows like SaReGaMaPa and Comedy Khiladigalu and over 60 other TV programmes.

Aastha Production, founded in 2015, has been on a steady growth curve in the sphere of motion picture. They specialise in TV documentaries, music Aalboms and motion pictures. Sandeep Kumar Amin is the owner of the unit.
Synopsis - Madipu is based on a real incident which took place in Beltangady 50 years ago. Madipu & focuses on Bhootherachane or Bhootha Kola and the relationship of Hindus and Muslims. The film shows how a person who has made the worship a part of his life goes into depression when he steps out of it, the story also rolls towards racism and spirituality.
Ventilator | Best Direction

Swarna Kamal | ₹2,50,000/-

Marathi | 143 mins
Director & Writer: Rajesh Mapuskar
Production Company: Purple Pebble Pictures
Editor: Rameshwar Bhogat
Cinematographer: Sovita Singh
Music: Rohan
Cast: Jitendra Joshi, Satish Alekar, Sukanya Kulkarni, Ashutosh Gowariker, Sanjeev Shah & Deepak Shinde

Citation - A huge canvas, an ensemble cast and a different subject all dealt with utmost supremacy.

Rajesh Mapuskar

Rajesh Mapuskar, a prolific writer, has contributed to films like the 'Munna Bhai' series, '3 Idiots' and 'Ferrari Ki Sawaari'. He is an Indian film writer, director and producer. He got involved in the world of films at a very young age, as his family owned a cinema hall. Mapuskar has directed numerous ad films in India and abroad.

Contact: preeti.singh@purplepebblepictures.com

Synopsis of the film on page no. 119
Akshay Kumar is an Indian actor in the Indian film industry for over 25 years and with 140 films to his name. He hails from Delhi and has carved a niche for himself, experimenting and trying out new characters each time. He is today, one of the most bankable and loved artists in the country.
MINNAMINUNGU – THE FIREFLY
SARVABHUSHAN AMINITHRI

RAJAT KAMAL | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

SYNOPSIS

A heartbreakingly beautiful young woman in a deplorable social condition.

Citation - Showcasing her brilliance in portraying pain and ecstasy of a mother in a deplorable social condition.

Surabhi CM is an Indian actress from Kerala. She is currently a research scholar (PhD) at the Koladi Sree Sankaracharya College. Inspired by her grandmother Lakshmi, Surabhi’s first love is for theatre arts. Her role in the drama ‘Yakshikathakalum Naattuvarthamanangalum’ won her the Kerala Sahitya Akademi’s best actress award in 2010. She has acted in films like Thirakkatha, ABCD, Pakal Nakshtetrangal, Gulothrone etc. In 2012, she did a major role in the television serial ‘Kadhayile Rajakumari’. She has acted in various commercials too.

Contact: manojmarvel@gmail.com
Manoj Joshi is an Indian film and television actor. He hails from Adapodara Village, Gujarat. Joshi began his career in Marathi theatre, also putting up performances in Gujarati and Hindi theatre. He has acted in over 60 films. Some of his most acclaimed performances are Hungama, followed by Hulchul, Dhoom, Bhogam Bhag, Phir Hera Pheri, Chup Chup Ke, Bhooll Bhuiyaya, and Billo Barber. He immensely popular for his comic timing.

Contact: sanjaykpall1967@gmail.com
Dangal
Sarveshresh Sah Abhihennetri
Dangal | Best Supporting Actor (Female)
Rajat Kamal | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Hindi | 161 mins
Direction: Nitesh Tiwari
Production Company: Aamir Khan Productions & UTV Software Communications
Writer: Nitesh Tiwari, Pritysh Gupta, Shreyash Jairin, Nikhil Mehrotra
Editor: Ballu Saluja
Cinematographer: Setu
Music: Pritam Chakroborty
Cast: Aamir Khan, Sakshi Tanwar, Zaira Wasim, Sanaya, Mathrota, Fatima Shaik, Suhani Bhatnagar & Aparshakti Khurana

Pramita

Citation - She portrays a female sports person’s battle with the society with utmost maturity.

Zaira Wasim

Zaira Wasim is a sixteen year old Indian actress from Jammu and Kashmir. Dangal is her debut feature film. It was her school principal and her aunt who convinced her parents to let her act in movies and follow her passion. She had done some ad films and commercials before doing the film.

Contact: neha.kaul@disney.com

Synopsis of the film on page no. 119
कुंजु देवम
सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार (साझा)
Kunju Daivam | Best Child Actor (shared)

राजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

मलयालम | 93 min
Director & Writer: Jeo Baby
Production Company: Ocean Pictures
Editor: Rahman Mohammed Ali
Cinematographer: Jobby James
Music: Mathews Pulickan
Cast: Joy George, Reina Maria, Master Adish Praveen, Sidharth Siva & Srceja Thalanadu

प्रशसित अपने आत्मी में फरिज्जता और मनुष्यीत्व समये हुए।
Citation - He wears purity and innocence on his sleeves.

आदिष परवीन
Adish Praveen - is on 8 years old, in Kerala, Eranakulam district. First feature film was 'Ben' on 2015 directed by Vipin Atty. Adish's 5th film is 'KUNJU DAIVAM' (THE LITTLE GOD). Adish is studying on 3rd standard.
Nur Islam, is a 9 years old boy from Belpur, West Bengal. He is studying in 5th standard and his mother language is Bengali. His father is farmer and this is his debut film. Samiul Alam is a 12 years old Jhikra village, West Bengal. He is studying in 8th standard and his mother language is Bengali. His father is a tailor by profession and this is his debut film.
15 year old Manohara K comes from a family of farmers in the district of Doddaballapur in rural Bengaluru. While studying 8th grade, at the age of 13 that Manohara was selected to play Jollu in the Kannada feature film Railway Children. Railway Children is Manohara's first acting experience. He is a topper in his class and apart from his immense acting talent and intelligence, he is an athlete who has won numerous prizes for running, kho-kho and also in various district level quiz competitions.
It is pertinent to note that Joker is the first film for Sundarayyar, as a singer. He has been rendering folk music and street plays for over 20 years in the interiors of Tamil Nadu. When the filmmaker wanted a native voice who could sing in the local dialect they finalised on Sundarayyar. He continues to sing songs spreading social awareness.

Contact: workshopsubmissions@gmail.com
Практант
सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका
Prakatan | Best Female Playback
रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Bengali | 143 mins
Direction: Nandita Roy & Shibo Prasad Mukherjee
Production Company: Windows Film Productions
Screenplay: Nandita Roy
Editor: Malay Laha
Cinematographer: Gopi Bhagat
Production Designer: Nilish Ray
Cast: Prosenjit Chatterjee, Rituparna Sengupta, Aparajita Auddy, Avipsa Basak & Soumitra Chatterjee

Citation - Extolling the pathos of the situation gelling beautifully with the philosophy of 'letting go'.

इमान चक्रबर्ती

इमान चक्रबर्ती एक बंगाली गायिका है, जो संगीत संज्ञात और बंगाली गीतों की अन्य शीर्षों में अपनी दिशा और अपने गुण में उभरी है। इमान चक्रबर्ती ने राजकीय भवनों में गाने के साथ संगीत में योगदान किया है। उन्हें देशी और वर्गीय गान से भी लोकगीत है। इमान चक्रबर्ती ने अपनी गायन की संरचना में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका खेली है।

Iman Chakraborty - is a Bengali singer, trained in Rabindra Sangeet and other genres of Bengali songs from her late mother and other leading stalwarts. Iman holds a Masters in Rabindra Sangeet from Rabindra Bharati University and is also pursuing her Ph.D programme on The Music of Satyajit Ray. She has travelled to concert stages across the world enthraling the audience with Rabindra Sangeet, folk songs, devotional pieces and modern Bengali compositions with equal ease.

Contact: windowsfilmproductions@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 119
NATIONAL FILM AWARDS '17 | 097
S Thirunavukarasu, Thiri as he is affectionately called, worked as an associate to cinematographer Mr. P.C. Sreeram. He became an independent cinematographer with "Magalir Mattum". He has worked in Hindi, Tamil, Malayalam & Telugu languages. Few of his notable works are Hey! Ram, Aalevandhan, Kanchivaram, Krish 3, Jonatha Garage & 24. He has also worked in more than 1500 television commercials. Thiri was the first Indian cinematographer to use "motion control camera" and to film in "Super 16" format and he is always eager to explore new technologies in film-making.

Contact: rajsekarpordon@2dentertainment.in
Maheshinte Prathikaaram

Citation - The screenplay interweaves the various idiosyncrasies of a small town near Idukki river.

Syam Pushkaran from Kerala, is an Indian scriptwriter best known for his work in Malayalam cinema. He made his screen writing debut with Salt N' Pepper. Maheshinte Prathikaaram is his first independent work. Some of his films are Rani Padmini, Iyobinte Pusthakam and 5 Sundarakkal.
Sanjay Krishnaji Patil is a Deputy Commissioner in the Sales Tax Department, associated with the Govt. of Maharashtra. He has received several awards for his one act plays and screenplays. 'Mayeleti' is one of his most acclaimed plays. He has also written the film 'Jogwa' which won 6 national awards.

Contact: sanjaykpatil1967@gmail.com
Pelli Chupullu
सर्वश्रेष्ठ पटकथा (संवाद)
Pelli Choopulu | Best Screenplay (Dialogues)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Telugu | 126 mins
Director & Writer: Tharun Bhascker
Production Company: Dharmanapatha Creations
Editor: T. Ravi Teja
Cinematographer: Nagesh Banevel
Music: Vivek Sagar
Cast: Vijay Devarakonde, Rithu Varma, Priyadarshi & Abhay

Citation - The film has incorporated a Modern, Witty and on-your-face dialogue that too with the local flavor.

Tharun Bhascker Dhaasyam, an alumnus of the Hyderabad Public School began his journey to being a film maker in his final year at school when he made the farewell video for his graduating class. Already recognized as a good artist, Tharun's interest in film-making only grew from thereon. He then went on to do a Diploma in film-making from NYFA in 2011.

Contact: rj99696@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 120
Jayadevan Chakka Dath

Jayadevan Chakka Dath studied film sound at the prestigious Satyajit Ray film and Television Institute (SRFTI), Kolkata. He has worked in many Bollywood feature films including multiple National Award winning film Ramleela.

Contact: drdbiju filmmaker@yahoo.co.in
Ventilator | Best Audiography (Re-Recordist of Final Mixed Track)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Marathi | 143 mins
Director & Writer: Rajesh Mapuskar
Production Company: Purple Pebble Pictures
Editor: Rameshwar Bhagat
Cinematographer: Savita Singh
Music: Rohan
Cast: Jitendra Joshi, Satish Alekar, Sukanya Kulkami, Ashutosh Gowariker, Sanjeev Shah & Deepak Shirke

Alok De did his postgraduate diploma in sound recording and sound engineering from FTII, Pune, and has handled the sound department in films like Madari, Wazir, Mr. & Mrs. Iyer, Koi Mil Gaya, Iqbal, Dor, Jab We Met, Love Aaj Kal, Rockstar, Gulaal, That Girl in Yellow Boots, Udaan, Aamir, No One Killed Jessica, among others. He won the National Award for Gangs of Wasseypur in 2013.

Contact: preeti.singh@purplepebblepictures.com
Rameshwar Bhogat is an Indian film editor from Goa. He was very attracted towards technical aspects of film & making from his college days. After graduating (B. Sc. Chemistry) from Elphinstone College, he found his vocational calling in editing and began his career with Rajkumar Hirani. He continued working with several reputed production houses and has edited scores of hit films including Dhoom, Dhoom 2, New York, Unniopol Oruvar, Ekta Tiger, Kick, Bajrangl Bhaijaan and Sultan.

Contact: preeti.singh@purplepebblepictures.com
Ace Production designers Subrata Chakraborty and Amit Ray are known for their distinctive style. They have worked on films like Rang de Basanti, Omkara, Ravan, Guru and many more. Some of other works are Matru Ki Bijlee Ka Mandola, Hawaizaada, Haider, Rangoon, Udta Punjab, Project 24 etc. They have been working together for the past 17 years.
Sai Kirikil
Sarvashreshth Veshabhusha Dizaainar
Cycle | Best Costume Designer
Rajat Kamal | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Marathi | 103 mins
Direction: Prakash Kunte
Production Company: Happy Minds Entertainment
Editor: Mayur Hardas
Cinematographer: Amol Anand
Chaudhary
Music: Aditya Bedekar
Cast: Shruti Joshi, Bholachandra Kadam, Priyadarshini Jadhav & Maihili Patwardhan

Citation - The film is able to achieve a rustic and simple sense of rural life through its costumes.

Sachin Lowalkar
Sachin Lowalkar has been working in the Indian film industry as an independent costume designer for the past fourteen years. He has worked on acclaimed films like,

Paan Singh Tomar, Killa, Dombivilli Fast, Bhootnath Returns, Modari and Court.

Contact: sangram@thinkwhynot.com
अल्लामा
सर्वश्रेष्ठ रूपसज्जा कलाकार
Allama | Best Make Up Artist
रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Kannada | 140 mins
Direction: TS Nagabhara
Production Company: Yejaman Enterprises
Writer: Siddagangaiah Kambol & TS Nagabhara
Editor: BS Kemparaju
Cinematographer: GS Bhaskar
Music: Rasu Padmanabha
Cast: Dhananjaya, Meghana Raj, Sanchari Vijay, Ramakrishna & Mico Manju

Citation - The film gives a sense of a historical figure and time through the art and craft of make-up.

एन के रामकृष्ण
एन के रामकृष्ण भारतीय फिल्म चित्रों के एक बिरंध मेकअप कलाकार है | वह अभिनेता कमल हासन के बाहरिंदा मेकअप कलाकार हैं।

NK Ramakrishna is a senior make-up artist from the Indian film industry. He is the personal make-up artist of actor Kamal Hassan.

Contact: shruthalaya@gmail.com
अल्लामा
सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन (गीत एवं पार्श्व संगीत)
Allama | Best Music Direction (Songs & Background Score)

कन्नड़ | 140 मिनट
निर्देशन: टीएस नागाेराणा
पटनिता: वार्तन एंटोवाइजर्ज़
लेखक: सीधारामगीया कंबल और टीएस नागाेराणा
संपादक: टीएस कंसवरसू, सिद्धारामगीया कंबल और टीएस नागाेराणा
संगीत: बापू पद्मानाथ
भाषा: हिंदी, अंग्रेजी, राजस्थानी, संसारी, बंगाली, मलयालम और गंगापुरी

Kannada | 140 mins
Direction: TS Nagabharana
Production Company: Yajaman Enterprises
Writer: Siddagangaih Kambal & TS Nagabharana
Editor: BS Kemparaju
Cinematographer: GS Bhaskar
Music: Bapu Padmanabha
Cast: Dhananjaya, Mohana Raj, Sanchairi Vijay, Ramakrishna & Mico Manju

प्रशस्ति कन्नड़ फिल्म से कुंतला को फिल्म से जोड़ने के लिए।

Citation - For adding soul to the film through Carnatic ragas.

बापू पद्मानाथ
बापू पद्मानाथ ने एक गायक के व्यक्तित्व से ख्यात इतिहास में इसी दुनिया में नाचा किया जा रहा और ये बांसुरी के साथ आसान हो गए। उन्होंने बंसुरी प्रदर्शन के साथ आशा की दुनिया में नाच किया और ये बांसुरी के साथ आसान हो गए। उन्होंने बंसुरी प्रदर्शन के साथ आशा की दुनिया में नाच किया

Bapu Padmanabha entered the music world with a flute purchased at a village festival and became obsessed with the flute. He started idolizing Pt. Hariprasad Chaurasia as his Guru. After deep research, he finally met his idol in 1999 and

Contact: shruthalaya@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 120
Vairamuthu is an accomplished poet, an achieved lyricist, a spirited social enthusiast and a vitalizing thinker for the self empowerment of the contemporary youth. Over forty years he has been telling the Great Truths of Life and the beliefs that would take humanity forward through Indian, particularly Tamil literature in a language that transcends as Art. This win takes his National Film Award for Best Lyrics tally to seven.

Contact: studio9prdm@gmail.com
Anupam Roy

Anupam Roy is an Indian singer-songwriter & music director. Anupam works as a solo artist for studio albums (singer-song writer). As a film music contributor, he works as lyricist, music director & playback singer. Born and brought up in Calcutta, he is a graduate in electronics and telecommunication engineering from Jadavpur University, Kolkata.

Contact: windowsfilmproductions@gmail.com
V. Mohanlal

Index of Merit for Outstanding Contributions to the Art of Cinema

Rajat Kamal | RAJAT KAMAL ₹2,00,000/-

Citation - For his mastery in dealing with characters of various shades with unparalleled acting brilliance.

V. Mohanlal

35 years of serving the cinema industry. V. Mohanlal has been a part of over 350 films and produced 35 movies. He has also acted in 2 professional dramas (stage plays). He has sung more than 25 songs for films and albums. His acting credits include Hindi, Tamil, Telugu, and Kannada films. V. Mohanlal has won four National Awards. In 2001, the Government of India honored him with Padma Shri.

Contact: sophapaulthomas@gmail.com, mythrimovies@gmail.com, mulakuppadamfilms@gmail.com
Raju Sundaram is a very well-known choreographer of the Indian Film Industry having worked in most of the languages including Tamil, Telugu, Malayalam, Kannada & Hindi. He is the son of acclaimed and legendary choreographer Mugur Sundar and the elder brother of the Prabhudev. Being highly versatile and creative, he has also occasionally acted in many films and music videos and has directed feature films too. He has choreographed over 700 films in his career spanning an illustrious 25 years.

Contact: mythrimovies@gmail.com
Naveen Paul with 16 plus years of experience in high-end film based VFX pipelines, as a Vfx Supervisor and Creative Head on more than 60 feature films, has an extensive hands on experience in designing aesthetically correct and technically strong shots for films and ad-films. He has also been part of the core team in Oscar winning and nominated visual effects films like, Chronicles of Narnia (2005), Superman Returns (2006) etc.

Contact: vikrant@adffilms.com
Peter Hein is a action director, action co-ordinator in the Indian film industry. He was born in Chennai to Vietnamese immigrants and settled down in Chennai. He started his career as extra stunt boy, assistant fight master for action directors like Vijayan and Kanan Kannan. Murari was his first movie in which he became a full length action director. He acquired well recognition from critics and media for his work in several movies like Anji, Run, Kaaka Kaakha, Chathrapathi, Athadu, Varsham, Annirudh etc.

Contact: mulukuppodamfilms@gmail.com
Sonam Kapoor is an Indian Film actress who has catapulted her way to the top with the success of Neerja. She has also been part of several critically acclaimed and commercially successful blockbusters including Raanjhanaa and Bhaag Milkha Bhaag. She recently turned ambassador for ‘Fight for Hunger’ and ‘Cuddles Foundation’ and has also been associated with several other charitable initiatives. She is regarded for her impeccable sense of style and rare fashion sensibility.
आदिल हुसैन
(मुक्ति भवन और माज रति केटेकी)
विशेष उल्लेख
Adil Hussain (Mukti Bhawan & Maj Rati Keteki) | Special Mention
प्रशस्ति पत्र | CERTIFICATE

माज रति केटेकी
हिंदी | 99 मिनट
निर्देशक: शुभांशु भूषण
निर्माता: रेड कारपेट म्यूजिकल प्लस
अभिनेता: आदिल हुसैन, लतिक बहल, गीतांजली जुलकमी
Mukti Bhawan
Hindi | 99 mins
Director & Writer: Shubhashish Bhutani
Production Company: Red Carpet Moving Pictures
Cost: Adil Hussain, Lalit Behl, Geetanjali Kulkarni

आदिल हुसैन
अभिनय के मोतियों में जन्मे आदिल हुसैन कॉमेडी, विज्ञापन, टेलिविजन, रेडियो और फिल्मों में अभिनय कर रहे हैं और वे 1993 में राष्ट्रीय भाषा पुरस्कार विजयी नई दिल्ली से स्नातक हैं। 'ओचेलो' - ए प्ले है प्रिन्स कॉमेडी में अभिनेता के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशस्ति प्रदान करने के बाद आदिल, माज कलाकार के रूप में भारत में लोकप्रिय हो गए। उन्होंने भारत और नीदरलैंड में कई लोकप्रिय तंत्रिकाओं में अभिनय पदार्पण किया है और उन्होंने 1500 से अधिक मंच शो और 60 फिल्मों में अभिनय किया है। वे इस्लामी विश्वास, ताहफ और गाया और मुक्ति भवन व कई अन्य कहानियों के लिए जाने जाते हैं।
Adil Hussain was born in Goalpara, Assam. Initially working in stand up comedy, theatre, television, radio and film, he graduated from the NSD, New Delhi in 1993. He became well known in India as a stage actor after his internationally acclaimed performance as Othello in "Othello- A play in Black and White" which received a Fringe First in Edinburgh. He taught acting in numerous premiere institutions in India and the Netherlands, and has over 1500 stage shows and nearly 50 films to his credit. He is known for his popular roles in English Vinglish, Life of Pi, Mukti Bhavan and many more.

Contact: sajido@redcarpetmovingpictures.in, drsbardoloi@gmail.com

Citation - Two different films, two different characters, one some actor. One word- Brilliant.
मुक्ति भवन विशेष उल्लेख
Mukti Bhawan | Special Mention
प्रशस्ति पत्र | CERTIFICATE

हिंदी | 99 मिनट
निर्देशक: शुभाशिश भूरिहानी निर्माता: रेड कारपेट मूविंग पिक्चर्स
संपादक: महान मित्तल
छायांकर: माइक सैक्सी, टेंडर हुवल्टर
संगीत: सत्यार्थ जूनियर
संगीतकार: आविल हुवल्टर, तलिस बाहक, गीतार्था, गूंज कुलकर्णी, पंकज गुप्त, नवनंद्र भाल और अभिषेक के रस्तोंगी

Hindi | 99 mins
Director & Writer: Shubhashish Bhutiani
Production Company: Red Carpet Moving Pictures
Editor: Manas Mittal
Cinematographer: Mike Mcsweeney & David Hewlter
Music: Tajdar Junaid
Cast: Adil Hussain, Lalit Behl, Geetanjali Kulkarni, Palomi Ghosh, Navindra Behl & Ankil Rastogi

शुभाशिश भूरिहानी (Shubhashish Bhutiani)

शुभाशिश भूरिहानी भारत के हिमालयी इलाकों में बर्ड़ हुए हैं और उन्होंने रोडस्टर्ड स्कूल, बॉम्बे से पढ़ाई की है। उनकी सीय 2013 में न्यूयॉर्क विजुअल आर्ट्स ऑफ स्कूल से निर्देशन में पढ़ाई की। शुभाशिश ने पहली फ़ीचर फ़िल्म मुक्ति भवन निर्देशित की है।

Shubhashish Bhutiani grew up in small town in India and attended Woodstock School, Mussoorie and specialized in Direction as an undergraduate from the School of Visual Arts, New York in 2013.

शेयर कार्पेट मूविंग पिक्चर्स (Red Carpet Moving Pictures)

रेड कारपेट मूविंग पिक्चर्स ने मुक्ति भवन फ़िल्म के लिए विदेशों में सार्वजनिक, अमेरिका, यूरोप, भारत और दक्षिण एशिया में भारतीय और ब्रिटिश विद्यार्थी अभियान के लिए कई टीमों का निर्देशन किया है।

Red Carpet Moving Pictures has produced TV commercials across the globe for Indian and Multinational Clients in North & South America, South Africa, Europe, India and South East Asia.

Contact: sojita@redcarpetmovingpictures.in

Synopsis of the film on page no. 121
नीला माधव पांडा नीला माधव पांडा is an internationally acclaimed film maker and producer. Most of his films have unique insights drawn from his own life.

इलीओ इमेजेज इलीओ इमेजेज is a production house with a vision to create a new human revolution in this 21st century.

Synopsis of the film on page no. 121

Contact: akparija@hotmail.com
वेंटिलेटर (Ventilator)
गांधी ने महात्मा गांधी के बीच पूरा एक प्रतिभागी वेंटिलेटर पर रखा जाता है, इससे परिवार के बीच असम्बलित और मात्रवाद की बिधियों का विविधांक रूप देने लगता है। महात्मा ने बिना हिस्से के सभी बीच वेंटिलेटर के लिए अस्तित्व में बढ़ा उम्मीद लगाया है। ये पुरा महात्मा हसीन, अक्षुर और रूपीये के एक दमडाम भ्रमण में बदल जताना है। जिसमें महात्मा भानुमत को बड़ी और यात्रा भरा गया।

An elderly senior member of a family is put on the ventilator 7 days prior to the Goparit festival. This leads to varied degrees of speculation and panic amongst the large coastal clan he belongs to. Family members from different parts of Maharashtra as well as abroad descend on the hospital with personal agendas. What ensues is a rollercoaster ride of laughter, tears and relationships. It takes viewers through the highs and lows of human emotions.

रस्ता रो (Rasta Ro)
यह कहानी 1949 के दरशन में पहले के परम्परा पर आधारित है। अल्बनी एक कचरे नशे में अधिकारी का नहीं दर्जा दिया जाता है, पर कभी-कभी उसे पता चलता है कि उसकी जीवनी में उसके दोस्तों से राजनयिक रंग है।

The story dates back to the late 1940s and revolves around an Indian Naval Officer Rustam Pavi, who is happily married to Cynthia Pavi. Their marriage hits the rocks when Rustam discovers about his wife's affair with his friend.

जिनमानमुनू-द फाभरफलाइ (Minaminungu - the Firefly)
फिल्म दिसन विश्वस्थियों में फर्जी एक महिला की गंभीर स्थिति का विवेचना है। महिला की अपना रूप बदलने, पिता की देखभाल करने जैसी विविध मूलभूत विवाहिता है। उसका राजनय यह है कि वो अपनी बेटी के लिए प्रबन्ध करेगा और राजनय की लोकतंत्र एवं राजनय के लोगों ने यह पूरा करता।

The film portrays the plight of a woman in her tragic life. She has to do a lot of things now, like paying back the loans, looking after her father and she dreams to make her daughter come to her and stay when she returns.

दंगल (Dangal)
वंदना, जिसका नाम है "कुलीन"। कुलीन की विश्वस्थिय में फर्जी एक महिला की गंभीर स्थिति का विवेचना है। महिला का अपना रूप बदलने, पिता की देखभाल करने जैसी विविध मूलभूत विवाहिता है। उसका राजनय यह है कि वो अपनी बेटी के लिए प्रबन्ध करेगा और राजनय की लोकतंत्र एवं राजनय के लोगों ने यह पूरा करता।

Dangal, which means wrestling, revolves around the extraordinary life of Mahavir Singh Phogat and his daughters. Mehtab, an ex-wrestler could never accomplish his dream of winning an international gold medal for India. Against all odds he bravely embraces all criticism from the society, lack of money, apathy from officials and much more, but never gives up… to train his daughters to see them win Gold for India.

कुंजु देसाइ (Kunju Desai)
यह एक जोश का नाम है एक छोटे बच्चे में खड़े सभी बच्चे के बारे में है, जो ईश्वर में प्रेम करता दर्शाता है। हालांकि, उसकी सामाजिक प्रतिकूलताएं आगे बढ़ती है।

The movie is about a 6th grade boy named Joseph who trusts in prayers made to god. However, all his prayers are wicked ones. He lives with his mother and grandfather, his father is abroad. Joseph and his grandfather share a very good relationship. One day he prays for the death of President of India to skip an exam. His prayer was answered and he got a holiday and the exam was postponed. The next day he again prayed again for somebody's death to skip the same exam. But this time it was his grandfather who died. After sell realization, Joseph starts working towards saving a person not only through prayers but also by his deeds.

सहज़ पापरङ गाप्रो (Safej Pather Gappo)
छोटे और बड़े साबित होंदे में रहने वाले दो बोल्ट हैं, जिनका बचना उनके आपत्तिजनक घर चाहता है जब उनके सिवा दुर्गंध के मिलित होता है। लघुत्तमी जीवन के दौरान उन्होंने अपने पिता से धूप दूध पिलाकर जानता रहता है। रेल कार और अपने छात्रों को पाठ देने का राजनयी भी करता है।

Chhota and Gopalo are two brothers whose childhood is disrupted when their father meets with an accident. Circumstances force Gopalo to mature quickly and he becomes more responsible and starts selling wares to earn a little money for home. The film follows what happens to him and his brother.

रेलकार्य चुटुंपा (Railway Children)
12 साल का चुट्टा रेली के रेलवे स्टेशन पर अपने पिता के साथ रहता है। वह नाम पापरङ का एक ऐसा उसके साथ रहता है जो उसके सिवा दुर्गंध के मिलित होता है। रेली में वह अपना कार्य आजाद तैयार है, लेकिन हिंसा विरोधी आकार और आकार का राजस्व भी चाहता है।

Raju a 12 year old arrives alone at a big city railway station where he is whisked away by a man who goes by the name solution. Raju slowly begins to explore the world of surviving at a platform, along with another kid, Jolly. HE begins to enjoy freedom, alongside surviving with abuse, violence and crime.

प्राक्तार (Praktar)
एक विलक्षण विषय, जो देश से मंदिरों से हाथल की गाय के रूप में और अपने पुरूष रूप में बदलती है। राजस्थानी मायाओं और सामाजिक जीवन का जाल, आचरण, आपत्ति से और अपने अपने देश में रहने का राजनय करती है।

A married woman, who is on an journey from Mumbai to Howrah by train, meets her ex-husband. A journey of realisations and revelations, Praktar is a story of being at peace with yourself and the one you love.
कथासार | SYNOPSIS

24 (24)
24 समाज-माया की अपवादन पर आत्माध्यक्ष एक ताज़ा विज्ञान की नवीनता बनी हुई है। किले में एक वैज्ञानिक एक ‘कॉल गर्ल’ का आविष्का करता है, जिसकी बाज़ी उसने जूता भर भी और उसके पूरे के करीब लाइनों हो जाती है।
24 is a science fiction thriller based on the concept of time-travel. A scientist invents a time machine, which leads to a bitter battle between his evil twin brother and his son.

कादू पूकूलाने नेस (Kazaa Pookkurna Neram)
एक मलयलम की एक प्रेरणात्मक गलती से आत्मिक पता चला जाता है। तवा दिनो वो दूसरे तरीके से पूकूला को भुलाने का प्रयास करता है। तवा दिनो वो दूसरे तरीके से पूकूला को भुलाने का प्रयास करता है।

रोवर (Rover)
एक पुलिस अफसर ने एक आत्मकालीन व्यक्ति की जानकारी से स्पष्ट पता चला है कि उन्होंने माया के पास पहुँचकर उसकी प्रकृति झुकाया है।

तारामा (Taramma)
महिला दुराई के नाम से वह एक बालक-बालिका ने एक विद्वान के विकल्प के ऊपर अपने विचार का प्रतीति का तर्क उत्पन्न किया है। तारामा दुराई के नाम से वह एक विद्वान के विकल्प के ऊपर अपने विचार का प्रतीति का तर्क उत्पन्न किया है।

द्वारा (Dharmar Dura)
द्वारा दुराई का एक समय और उसकी हालत से उसके भाईयों और साथी, जो कि विद्वान का करारों करते हैं, को आंधी दिन का सामान करना पड़ता है। उसके बच्चे दुराई द्वारा दुराई के नाम से वह एक विद्वान के विकल्प के ऊपर अपने विचार का प्रतीति का तर्क उत्पन्न किया है।

पुण्डरीकीकृत आतीरक्षुवोल (Munthirivellichi Thalirkumbol)
एक महिला चीनी वाली वह वेस्टन शहर से उसकी हालत के पुनर्निर्माण समाधान में लिखता है। ये उसके 20 वर्षों के वैज्ञानिक चीनी वाली उससे पैदा करता है और उसके नाम हैं दुराई।
कथासार | SYNOPTIS

शिवाय (Shivayo)
शिवाय हिमालय पर रहने वाला “शर्तातोहिं” है, जो मसूम है, लेकिन उसके परिवार को सलाह देने के लिए विवेचन करने ने सक्षम है। यह फिल्म शिवाय के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने हृदयों को बचाने के लिए एक फिर्ता पर है, जिसका सुझाव माना जाता है असाधारण कर देता है और उसे असहाय छोड़ देता है।

शिवाय is a Himalayan mountaineer who is an innocent and yet is capable of transforming into a mean destroyer when he needs to protect his family. The film revolves around a skilled mountaineer who is on a mission to rescue his daughter who gets kidnapped by flesh traders and he is left helpless.

मुक्ति भवन (Mukti Bhawan)
मृत्यु भवन ऐसा एक फिल्म है जो पत्नी की पति के बयान के बाद वह जानने के लिए गयी थी। उसने माता की कविता की सुमारे और एक चिंतित इलाज़ पर आधारित है। अपने पति के इस बारही कहानी गूँजने के अलावा उसके पति को विश्वास नहीं देता है।

Faced with his father's untimely and bizarre demand to go and die in the holy city of Varanasi and attain Salvation, a son is left with no choice but to embark on this journey.

कड़बी हवा (Kaddhi Hawa)
एक नायक पर देखी उनसे मार देने के लिए उसने अपने मुख्य क्षेत्र के लोगों को उसे बताया की सुगम भी जान नहीं है। चाहती वारिक की दजह से ने किसान बैंकों के बयान के जाल में फंस गए है। बैंकों से लिए गए कर्ज ने दुकान पर जा चेती ना कर पाने की मजह से उनके पास आमलाया हो एक चिंतित है। एक किसान के चाहे पति को भी इसका दर सलाह देता है। कड़बी हवा हर्षवधी कालिका काहानी है, जबकि यह इस स्थिति से गुरु रहे विशाल किसानों का उंगली बोल देने वाला रचना है जो अबी भी जलवायु परिवर्तन को लेखन तैयार नहीं है।

Once famous for its farming, the people of Malatue region have forgotten the earthy scent of rain fall on their soil. Erratic and receding rainfall has led many farmers into debt traps set out as loans offered by banks. Unable to grow food grain anymore and to escape repayments, the only way out is sacrificing their own life i.e. suicide. A blind father of a farmer fears the same fate for his. Kaddhi Hawa, is not just a fiction. Its an eye-opening portrayal of the suffering of people, still unprepared to face the consequences of their actions on climate change.
Films made in any Indian language, shot on 35 mm or in a wider gauge or digital format but released on either film format or Video/Digital format and certified by the Central Board of Film Certification as a Documentary/Newsreel/Non-Fiction/Short Fiction are eligible for non-feature film section.
AABA
BEST SHORT FICTION FILM
आबा
सर्जेशा लक्ष्मी कांभिक फिल्म
AABA AIKTAAI NAA?
BEST DIRECTION
अित्या सुहास जामेहले
आबा आईकाय नारी?
सर्जेशा नित्यानन्दन आदित्य सुलक्ष्य जामेहले
ADNYAT
BEST CINEMATOGRAPHY
VISHAL SANGWAI
अन्याय
सर्जेशा छायांकन
विशाल संगवाई
CHEMBAI – MY DISCOVERY OF A LEGEND
SPECIAL MENTION
SOUMYA SADANANDAN
चेंबेई — मे डिसकवरी ऑफ ए लेजेंड
विष्णु प्लेक्स
सोम्या सदानन्दन
FIREFLIES IN THE ABYSS
BEST NON-FEATURE FILM
फायरफ्लाइज इन द एंबेस
सर्जेशा नान्दी फिल्म
GUDH
BEST MUSIC DIRECTION
TANUJ TIKU
गुध
सर्जेशा संगीत निर्देशन
tन्मजु तिकु
HUM CHITRA BANATE HAI
BEST ANIMATION FILM
हम चित्र बनाते हैं
सर्जेशा एनिमेशन फिल्म
I AM JEEJA
BEST FILM ON SOCIAL ISSUES
आईजे जीजा
वित्तीय व्यवस्था पर वर्तमान फिल्म
IN RETURN JUST A BOOK
BEST AUDIOGRAPHY
AITH ABRAHAM GEORGE
इन रिटर्न जस्ट ए बुक
सर्जेशा व्यवस्था
अिथ अब्राहम जोर्ज
IN THE SHADOW OF TIME
BEST ARTS / CULTURAL FILM
इन द शेडॅ ऑफ टाइम
सर्जेशा कला / संस्कृति फिल्म
KALPVRIKSHA
BEST CINEMATOGRAPHY
ALPESH NAGAR
कल्पवृक्ष
सर्जेशा छायांकन
अल्पेश नागर
LITTLE MAGICIAN
BEST FILM ON FAMILY VALUES
लिटल मैजिकियन
परिवारवादी फिल्म
THE LORD OF THE UNIVERSE
BEST ARTS / CULTURAL FILM
द लोर्ड ऑफ द यूनिवर्स
सर्जेशा कला और संस्कृति फिल्म
MAKINO - AN INDIAN HAiku
BEST NARRATION/VOICE OVER
SETSU MAKINO TOGAWA

MAHATI NO - KAN INDIA HAIKU
BEST EXPLORATION/ADVENTURE FILM (TO INCLUDE SPORTS)
MAITREYI COULOGI

MATITLÉ KUSTI
BEST INVESTIGATIVE FILM

MBISO

REMEMBERING KURDI
BEST ON-LOCATION SOUND RECORDIST
CHRISTOPHER BURCHELL

RENAGÈRE KURDI
BEST SOCIAL ISSUES FILM

SANKAT

SANATH
BEST FILM ON SOCIAL ISSUES

SAGHATTHAR

SANKAT ARU SITKAR
SPECIAL MENTION
RAMEN BORAH
SIBANU BORAH

SITKAR ARU SITKAR
BEST BIOGRAPHICAL/HISTORICAL RECONSTRUCTION
ZIKR LIS PARIVASH KA: BEGUM AKHTAR
BEST DEBUT FILM OF A DIRECTOR
SOZ... A BALLAD OF MALADIES
BEST DEBUT FILM OF A DIRECTOR

THE CINEMA TRAVELLERS
SPECIAL JURY AWARD

THE EYES OF DARKNESS
SPECIAL MENTION
AMITABH BACHCHAN

THE LORD OF THE UNIVERSE
BEST ARTS/CULTURAL FILM

THE TIGER WHO CROSSED THE LINE
BEST ENVIRONMENT FILM INCLUDING AGRICULTURE

THE WATERFALL
BEST EDUCATIONAL FILM

ZIKR LIS PARIVASH KA: BEGUM AKHTAR
BEST BIOGRAPHICAL/HISTORICAL RECONSTRUCTION

NATIONAL FILM AWARDS'16 | 125
फायरफ्लाइज इन द एब्सेस
सर्वश्रेष्ठ गैर फीचर फिल्म

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 1,50,000/-

Hindi, English, Nepali | 88 mins
Director, Cinematographer & Producer: Chandrasekhar Reddy
Editor: Abhra Banerjee
Music: Cooper-Moore
Sound: Gissy Michael

परिचय | PROFILE

चंद्रशेखर रेड्डी (Chandrasekhar Reddy)

चंद्रशेखर रेड्डी एक स्वतंत्र निर्माता, निर्देशक है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय और भारतीय सरार पर फिल्म और टेलीविजन में व्यापक अभ्यास है। उन्होंने संक्षिप्त प्रशासनिक, पुंशनिक, गृहनगरी, और धार्मिक के लिए कई फिल्में बनाई हैं।

Chandrasekhar Reddy is an independent producer/director, with an extensive experience in independent film & television, both internationally and in India. Previous credits include films for National Geographic Asia, UNDP and BBC.

मायाबाजार प्रोडक्शन्स (Mayabazaar Productions)

मायाबाजार प्रोडक्शन्स चंद्रशेखर रेड्डी के प्रोडक्शन हाउस का नाम है। काफ़ क्लाइयंस इन द एब्सेस उनकी पहली फीचर फिल्म है।

Mayabazaar Productions is owned by Chandrashekhar Reddy. Fireflies in the Abyss, is its debut feature length documentary.
Synopsis - In a narrow pit, 11-year-old Suraj crawls through tunnels, scratching coal from rock in a northeastern Indian boom town. Such "ratholes" have become the sole source of income for many Nepalese migrants, whose itinerant lives intertwine in this chronicle of people living on the margins. With the loss of his mother, and an unreliable alcoholic father, Suraj is forced to become independent at a young age. Toiling in the dangerous mines with an indomitable spirit and stubborn smile, he hopes to one day beat the odds and return to school. A transporting and immersive journey fostering deep emotional connectedness to its subjects, Fireflies in the Abyss illustrates how even seemingly insurmountable obstacles can help the human spirit grow.

Contact: chandra@mayabaazarproductions.com
सोज़... ए बल्लाड ऑफ मेलेडिज़
निर्देशक की पहली सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म
Soz... A Ballad of Maladies | Best Debut Film of a Director
राजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 75,000/-

हिंदी, बंगाली, कश्मीरी | 84 मिनट
निर्देशन: तुषार मध्व | तुषार मध्व और सार्वनिक कौर
निर्माता: राजीव मेहरोत्रा, पीएसबीटी
लेखक: सार्वनिक कौर
समाप्ति: तुषार मध्व
छायांकर: तुषार मध्व और नागराज साधिमान
सार्वनिक: हेमंत राव

Hindi, English, Kashmiri | 84 mins
Direction: Tushar Madhav & Sarvnik Kaur
Producer: Rajiv Mehrotra, PSBT
Script: Sarvnik Kaur
Editor: Tushar Madhav
Cinematographer: Tushar Madhav & Nagaraj Rahinam
Sound: Hemant Rao

परिचय | PROFILE

तुषार, सार्वनिक (Tushar, Sarvnik)

तुषार एक स्वतंत्र फिल्म निर्माता और फिल्म संपादक हैं। उन्होंने पिछले 7 वर्षों में कई वृत्तचित्त फिल्मों पर काम किया है। सार्वनिक एक लेखक और एक स्वतंत्र फिल्म निर्माता हैं और उन्होंने 7 साल में एक पटकथा लेखक के रूप में काम किया है।

Tushar is an independent filmmaker and film editor. He has worked on numerous documentary films over the last 7 years. Sarvnik is a writer and independent filmmaker. She has worked as a screenwriter in the industry over the last 7 years after completing her post-graduation in Mass Communication.

राजीव मेहरोत्रा, पीएसबीटी (Rajiv Mehrotra, PSBT)

राजीव मेहरोत्रा, एक स्वतंत्र फिल्मकार, प्रांगण स्वास्थ्य, निर्माता और लॉक सेवा प्राधिकृत संस्थान के कौशलीत्व प्रबंधक हैं। उन्होंने 930 से अधिक आत्मवृत्तत्विक फिल्मों का निर्देशन किया है और निर्माण किया है, जिनमें 255 से अधिक पुरस्कार मिल चुके हैं, जिसमें 28 राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल हैं।

Rajiv Mehrotra is an independent filmmaker, Managing Trustee, Producer and Commissioning editor of The Public Service Broadcasting Trust. He has directed /produced more than 630 documentary films, winning more than 255 awards including 28 national awards.

128 | NON-FEATURE FILMS
Synopsis - Of folk, rock and hip-hop, the Film is a portrait of different cultural practitioners whose work engages with the political upheavals and its social costs in contemporary Kashmir. The Film is a glance into the collective memory of a people and the expressions of its history to understand the emerging voices of resistance and their resonance in the world’s most heavily militarised zone. In a journey through the metamorphoses of Kashmir’s traditional art practises into its contemporary arts of resistance, the Film unfolds a transformed cultural fabric of the valley, which departs from the notion of Kashmir as a ‘paradise’.

Contact: rajivmehotra1@gmail.com
ज़िक्र Us Parivash Ka: बेगम अस्तार
सर्वश्रेष्ठ जीवनी / ऐतिहासिक पुन: निर्माण संकलन फिल्म

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Hindi, Urdu, English | 64 mins
Direction: Nirmal Chander
Production Company: Sangeet Natak Akademi
Editor: Reena Mohan & Nirmal Chander
Cinematographer: Ranjan Polit
Choreography: Ruchi Khare
Sound: Baby John

परिचय | PROFILE

निर्मल चंदर (NIRMAL CHANDER)

निर्मल चंदर एक राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता किरमा फिल्म निर्माता हैं, जो पिछले 20 सालों से वृत्तिविद्वार के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। उन्होंने एक फिल्म संपादक के रूप में अपना करियर शुरु किया और उनके द्वारा संगठित किरमा के लिए अंतरराष्ट्रीय किरमा समारोह में कई दिखाया रखा और उन्हें कई पुरस्कार भी प्राप्त हुए।

NIRMAL CHANDER is a National Award winning filmmaker who has been working in the field of documentaries for the last 20 years. He started his career as an editor. The films edited by him have travelled to many international festivals and have received awards.

संगीत नाटक अकादमी (SANGEET NATAK AKADEMI)

संगीत नाटक अकादमी भारत सरकार द्वारा क्रान्ति के लिए स्थापित की गई पहली राष्ट्रीय अकादमी है। इसके उद्देश्य संगीत, नृत्य और नाटक की संयोजन या राज्य अकादमियों की गतिविधियों का समन्वय करना है।

Sangeet Natak Akademi is a first national level academy for performing arts set up by the Govt. of India. It aims to co-ordinate the activities of regional or State Academies of music, dance and drama.
Synopsis - One of the last legendary courtesans of India, Begum Akhtar was a well known singer of ghazal, dodia and thumri genres of Hindustani classical music. Her voice was unique, pain adding richness and depth as the years went by. Rendering them in her inimitable style, she ensured that ghazal singing received due respect and came to be called Malika-e-Ghazal (Queen of the Ghazal), reaching unparalleled heights in a world that threatened to marginalize courtesans.
\textbf{In the Shadow of Time | Best Arts/Cultural Film (Shared)}

\textbf{Rajat Kamal | RAJAT KAMAL Rs 50,000/-}

\textbf{Odiya | 90 mins}
\textbf{Director & Writer: Shankhajeeet De}
\textbf{Production Company: Indira Gandhi National Centre for Arts}
\textbf{Editor: Lipika Singh Darai}
\textbf{Cinematographer: Amaranath Sandipamr}
\textbf{Sound Designer: Prosenjit Dey & Pratik Biswas}

\textbf{Parichay | PROFILE}

\textbf{Shankhajeeet De (Shankhajeeet De)}

Shankhajeeet De is a freelance researcher and documentary film-maker. His interest lies in the subjects of tradition, culture and society and the changes in contemporary times. He makes documentary films with an ethnographic lens.

\textbf{Indira Gandhi Rashtriya Kala Kendra, New Delhi}

(Indira Gandhi National Centre for the Arts, New Delhi)

Indira Gandhi Rashtriya Kala Kendra, New Delhi is a premier government-funded arts organization in India. It is an autonomous institution under the Union Ministry of Culture. IGNCA seeks to place the arts within the context of the natural and human environment.
Synopsis - “Samayara Chhaire” is a feature length documentary film that explores the journey of Ravana Chhaya in the last over 40 years. It appreciates and questions the ideas of change, ownership, usurpation and appropriation in the process of bettering and defining a tradition. Ravana Chhaya shadow puppetry tradition was practiced in central regions of Odisha in eastern India by the minstrel Bhata community who narrated the story of Ramayana to a rural audience since ages. Reaching almost extinct level in the 1970’s, the state machinery took up its preservation. This shadow puppetry form was much appreciated worldwide as the mother of cinematic forms. It is popular for its interplay of translucent and dark shadow and the use of lyrical Odia poetic rendition of Ramayana.

Contact: prapodasmpadas@gmail.com
Shibu Prusty is a storyteller, who loves to express the ideas through cinema. His visual sense developed from childhood, seeing his father’s paintings. So, painting became his hobby, later he got interested in film-making and chooses cinematography as his career.

RAW AGE MOVIES is a film production house based in Mumbai, India. It aims to produce effective, challenging and unique films of artistic value, for the good cause of the society. Filmmaker Shibu Prusty is the proprietor and founder of this organization.
Synopsis - The essence of the film is based on a belief, the people of a great religious country like India believe in rebirth. After death, soul again takes a new body and is reborn because it is eternal and never dies. From time immemorial this universal play of death and rebirth has been performed in the culture of Lord Jagannath at Puri, in the state of Odisha. As the deities are made of wood and a wooden object is likely to decay within a span of time, so idols of the deities need replacement.

Citation - This enlightening and informative film brings alive an amazing and complex ritual and takes us into the only place in the world where God comes alive as a human being.

Contact: shibuprusty@gmail.com
रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

अग्रेंजी | 45 मिनट
निर्देश: लेखक और निर्माता:
क्रिश्णन्दु बोस
निर्माता: अर्थकेयर प्रोडक्शन्स
छायांकित: इस्लाहुद्दीन अशरफ
संगीत: सुशांत जोशी
सांगह डिजाइनिंग और ग्राफिक्स:
वासुशरण पांडेय

English | 45 mins
Director, Writer & Editor:
Krishnendu Bose
Production Company: Earthcare Productions
Cinematographer: Isaluddin Ashraf
Music: Sushant Joshi
Sound Designing and Mixing:
Asheesh Pandya

परिचय | PROFILE

क्रिश्णन्दु बोस (KRISHNENDU BOSE)

क्रिश्णन्दु बोस ने 1985 में दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में मास्टर्स किया और फिल्म निर्माता के रूप में आरंभिक जीवन में स्क्रिप्टिंग करने के बाद, वर्तमान में फिल्म निर्माता के रूप में अर्थकेयर प्रोडक्शन्स के लिए फिल्मों की निर्माता की। क्रिश्णन्दु ने कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं, जिनमें दीपावली पुरस्कार, अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल पुरस्कार और लाहौन पुरस्कार शामिल हैं।

KRISHNENDU BOSE, completed his Masters in Economics from Delhi School of Economics and set up Earthcare Films, making films on wildlife conservation and environmental justice. Since then he has produced several international award winning documentaries.

अर्थकेयर प्रोडक्शन्स (Earthcare Productions)

अर्थकेयर प्रोडक्शन्स दिल्ली आधारित प्रोडक्शन शाखा है, जिसे 1995 में वातावरण रक्षा पर ध्यान दिया जा रहा था। कंपनी के कई सफल प्रोडक्शन्स हैं, जिनमें अन्तरराष्ट्रीय एक और अंतरराष्ट्रीय टेलीविजन परिषद के लिए फिल्मों का निर्माण किया गया है।

Earthcare Productions is a Delhi based production house set up in 1995, producing independent documentaries on environment conservation. Earthcare engages in the space overlapping nature and people – looking through the lens of the politics of conservation.
KHYASAR - Jab dunya raat ke abhre mein neend ki hadar aand lathai hai, tab dhoon kali gamaa mein baagh, bhooton ka tadka ankura mein ghamte dilkhase chandte hain. Yeh yeh baagh hai jo sambhulna khalakon ke baahar vidharta hain. Lekin jab yeh muhrat mein hain.

Synopsis - As the world sleeps, in the dead of night, ghost like figures of big cats roam the fringes of the villages and the cities. They are the tigers who live OUTSIDE the tiger reserves. And they are in trouble.

Contact: kbose61@gmail.com
Swati Chakraborty (Swati) is a graduate from Jadavpur University and has been trained in Augmentative and Alternative Communication (AAC). She is the Head of the Department of Information Communication Technology at the Indian Institute of Cerebral Palsy.

Rajiv Mehrotra, (Rajiv Mehrotra, PSBT) is an independent filmmaker, Managing Trustee, Producer and Commissioning editor of The Public Service Broadcasting Trust. He has directed /produced more than 630 documentary films, winning more than 255 awards including 28 national awards.
Synopsis - A first person narrative of Jeeja Ghosh, an effective and responsible leader and disability rights activist living with cerebral palsy.

Contact: rajivmehatra1@gmail.com
सनथ
सामाजिक मुद्दों पर सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म (साझा)
Sanath | Best Film on Social Issues (Shared)
रजत कमल | RAJAT KAMAL र 75,000/-

वसंत एस सै (Vasanth S Sai)
कभी एस सै एक भारतीय फ़िल्म निर्देशक और पटकथा लेखक हैं जो तमिल फिल्म उद्योग में काम कर रहे हैं। उन्होंने 1990 में केल्दी कन्मानी के साथ निर्देशन की शुरुआत की।

Vasanth S Sai is an Indian film director and screenwriter, working in the Tamil film industry. He made his directorial debut with Keladi Konmari in 1990. Known for being realistic, his films have been described as a "middle path" between parallel and commercial cinema.

परिचय | PROFILE

श्री चित्र टॉकीज (Sree Chitra Talkies)
श्री चित्र टॉकीज एक प्रोडक्शन हाउस हैं, जिसके माध्यम से अद्वितीय वी और प्रिया अरुण हैं। उन्होंने शिक्षा प्रणाली और व्यक्तियों में कृषि के महत्व को लेकर कई वृक्षविज्ञक बनाए हैं।

Sree Chithra Talkies is a production house owned by Adithya V and Priya Arun. They have made documentaries on the education system and the importance of agriculture in schools. They look forward to venture into feature films.
Synopsis - Sanath is a disabled person, but moving way faster than any abled person through his visionary mind. His unstoppable determination drove him from being unable to move easily on his own, to being a totally independent person, by means of an electric wheelchair.
परिचय | PROFILE

लिपिका सिंह दराई (Lipika Singh Darai)

लिपिका पुब्लिस्चर में एक फिल्म निर्माता है, जो ओडिशा के मुख्यमंत्री के साथ काम करती है। वह रिकॉर्डिंग में शिक्षा मिलती है और राज्य के सीमाएं एक दूसरे के साथ एक साथ रहते हैं।

Lipika is a filmmaker based in Bhubaneswar who hails from the Mayurbhanj district of Odisha. An alumnus of FTII with specialisation in sound recording, she has worked in Mumbai as a sound recordist for a year or two, before returning to her home state to pursue her own projects.

एलएसएल आईडीज (LXL Ideas)

एलएसएल आईडीज एक शैक्षिक सामग्री कंपनी है जिसे ध्वनि और वीडियो के माध्यम से शिक्षा और शैक्षणिक अनुभवों का उत्पादन करना है। वे 130 फिल्मों में 4 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते हैं।

LXL Ideas, formerly EduMedia, impacts learning and create experiences for students, parents and educators. For the past 18 years, they’ve brought innovative and creative methodologies to impact learning. With over 130 films, they have won 4 National Film Awards.
Synopsis - The film revolves around Karun (16 years) a city-bred boy who is visiting his cousin Nilu's (16 years) house in a small hilly town for a family wedding. Nilu takes Karun around the forests to the waterfall. Karun gets connected to the waterfall immediately but later learns that the water fall is going to disappear soon.

Citation - A strong film that looks at issues of development and displacement through the eyes of an endearing protagonist.

Contact: ruchi@kl.in
माटिले कुस्ती
सर्वश्रेष्ठ गवेषणा / साहसिक फ़िल्म (खेल शामिल)

Matille Kusti | Best Exploration/Adventure Film (to include sports)

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

अतीत | 12 मिनट

निर्देशक: फ़्रांटिक विवेक देशमुख
साहित्यिक निर्देशक: सावित्री फुले- पूर्ण विश्वविद्यालय

नौकर: भगवान तंबेकर

Marathi | 12 mins
Director, Cinematographer,
Editor & Music Director: Prantik Vivek Deshmukh
Production Company:
Department of Media & Communication Studies, Savitribai Phule Pune University, Pune
Narrator: Bhagwan Tambekar

परिचय | PROFILE

प्रातिक विवेक देशमुख (Prantik Vivek Deshmukh)

प्रातिक विवेक देशमुख एक तुर्म कलाकार है, जिसकी कैरियर के अवसर में उन्हें अपनी बात कहने की व्यक्तिगत अनुभूति बहुत ज्यादा है। उन्होंने अपने जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी अपने कार्य को विस्तार किया है।

Prantik Vivek Deshmukh is a visual storyteller, sometimes it is the camera in the hand or at times it is the brush/pencil. He has directed and photographed short films and documentaries, which have fetched him awards at National and International Film Festivals.

सावित्रीबाई फुले-पूर्ण विश्वविद्यालय (Savitribai Phule Pune University)

सावित्रीबाई फुले-पूर्ण विश्वविद्यालय, मे मीडिया और साहित्य अध्ययन कला १९८९ में स्थापित किया गया था। वह मीडिया एण्ड पीएच गोचरी मीडिया और साहित्य अध्ययन आदि कोर्सों का भविष्य समझा जा रहा है।

Savitribai Phule Pune University was established in 1990 to serve academic training in Communication. DMCS offers M.Phil. and Ph.D. Media and Communication Studies and M.Sc.
Synopsis - One of the India's oldest Martial Art form 'Kusti' (traditional form of wrestling) is considered to be the dying sport in India today. The young 'pehlwans' (wrestlers) are turning away from the 'Talims' and instead preferring wrestling on mat due to the international status it has received in the recent past. This film showcases the struggle of the modern day traditional pehlwars and their battle against the Freestyle wrestling of the modern times in their struggle for keeping this ancient martial art form alive.

Contact: hod_dcs@unipune.ac.in
Abhay Kumar is an Indian filmmaker. Abhay was selected for the Berlinale Talent Campus as part of the Berlin International Film Festival. Abhay has spent a decade in hybrid genres - merging fact and fiction, animation and live action to create emotionally resonant narratives which transcend cultural and geographical limitations.

**Abhay Kumar** (Abhay Kumar)

**Hindi, English | 93 mins**
- **Direction:** Abhay Kumar
- **Production Company:** Storyteller Ink
- **Editor:** Abhay Kumar & Archana Phadke
- **Cinematographer:** Abhay Kumar
- **Music:** Shane Mendosa

** параичय | PROFILE**

**Abhay Kumar**

Abhay Kumar is an Indian filmmaker. Abhay was selected for the Berlinale Talent Campus as part of the Berlin International Film Festival. Abhay has spent a decade in hybrid genres - merging fact and fiction, animation and live action to create emotionally resonant narratives which transcend cultural and geographical limitations.

**Storyteller Ink**

*Storyteller Ink* is a production company owned by Archana Phadke, a graduate of Biotechnology and Abhay Kumar. Archana's first short as a director, won the Best Film award at MAMI in 2009.

**रज़त कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-**

**हिन्दी, अंग्रेजी | 93 मिनट**
- **निर्देशक:** अमय कुमार
- **निर्माता:** Storyteller Ink
- **समग्रपन:** अमय कुमार और
- **अभिनेता:** (कादके)
- **संवादिनी:** शानि मेदोसा
Synopsis - A film maker starts following four students in the most prestigious medical school of India – as they struggle with ambition, dreams, pain and healing. However, pressure reaches an unbreakable point as tragedy unfolds around them which forces them to confront unspoken and larger issues.

Citation - An important and intelligently crafted film that investigates the malaise plaguing one of India’s premier educational institutions, showing us a mirror of our times.
हम चित्र बनाते हैं
सर्वश्रेष्ठ ऐनीमेशन फ़िल्म

Hum Chitra Banate Hai | Best Animation Film

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

हिंदी | 9 मिनट
निर्देशन और कलाकार: नीना सबनानी
निर्माता: आईआईटी, आईआईटी, बॉम्बे
सहायक: पंजीयन वर्मा और नीना सबनानी
ऐनीमेटा: पंजीयन वर्मा और नीना सबनानी
संगीत: रजत डोलकिया

Hindi | 9 mins
Direction & Cinematography: Nina Sabnani
Production Company: IDC, IIT, Bombay
Editor: Pyush Verma & Nina Sabnani
Animator: Pyush Verma and Shyam Sundar Chatterjee
Music: Rajat Dholakia

परिचय | PROFILE

नीना सबनानी (Nina Sabnani)

नीना सबनानी एक कलाकार और कलाकार हैं, जिन्होंने लघु कला संस्थान, बॉम्बे से स्नातक हैं। उन्होंने फिल्म में शिराजुद्दीन शुनियविंदी, डूबर्लिक के स्नातकोत्तर किया है। नीना वर्तमान में ऐंधनिक डिजाइन केंद्र, आईआईटी बॉम्बे में प्रोफेसर हैं।

Nina Sabnani is an artist and storyteller who graduated from the Faculty of Fine Arts, Vadodara. She received a master's degree in film from Syracuse University, NY. Nina is currently Professor at the Industrial Design Centre, IIT Bombay.

आधुनिक डिजाइन केंद्र (Industrial Design Centre)

Industrial Design Centre at the Indian Institute of Technology, Bombay offers an excellent environment for academics, research and applications in the field of design.
Shyam Sunder Chatterjee has been always interested in painting, drawing, crafts, sculpting and numerous tactile based creative art forms. He did a bachelor course in Communication Design from (SID), Pune.

Synopsis - “Hum Chitra Banate Hai” is an animated interpretation of a myth from the Bhil community in Madhya Pradesh, India. For the Bhil community painting is like offering a prayer and the film reveals why. The film is a collaboration between the indigenous artist Sher Singh from the community and the film maker Nina Sabnani that explores ways of telling together.
द सिनेमा ट्रेवलर्स
निर्णायक मंडल का विशेष पुरस्कार
The Cinema Travellers | Special Jury Award
रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 1,00,000/-

Hindi, Partly Marathi | 95 mins
Director & Editor: Amit Madheshiya & Shirley Abraham
Production Company: Cave Pictures
Cinematographer: Amit Madheshiya
Music: Laura Karpman & Nora Kroll-Rosenboum
Sound Designer and Re Recording Mixer: Pete Hornor

परिचय | PROFILE

शिरले अब्राहम, अमित (Shirley Abraham, Amit Madheshiya)

शिरले अब्राहम एक वृत्तचित्र फिल्म निर्देशक और निर्माता है।
अमित मधेशिया एक वृत्तचित्र फोटोग्राफर और
fांसी फिल्म निर्माता फिल्म निर्माता और निर्माता है।

शिरले अब्राहम, एक वृत्तचित्र फिल्म निर्देशक और

फिल्म निर्माता है।

अमित मधेशिया, एक वृत्तचित्र फोटोग्राफर और

फिल्म निर्माता और निर्माता है।

द फिल्ममा ट्रेवलर्स के दोनों की पहली फ़ीचर-फीचर फिल्म है।

Shirley Abraham is a documentary film director and producer. The Cinema Travellers is her debut feature-length documentary.

Amit Madheshiya is a documentary photographer and Cannes prize-winning filmmaker and producer. It is his debut feature-length documentary.

केन विकर्स प्रोडक्शन (Cave Pictures)

केन विकर्स प्रोडक्शन हाफल के महत्वपूर्ण शिरले अब्राहम और अमित मधेशिया है। उन्होंने एक राष्ट्रीय फिल्म का निर्माण और

निर्देशन किया था, जिसका फाइल्म सेलेक्शन 2016

में आधिकारिक भाव में किया गया था और उनके शिरले जूरी पुरस्कार--

L'Oeil d'or में जीता था।

Cave Pictures is a production house owned by Shirley Abraham and Amit Madheshiya. They have together produced and directed the film, which was an official selection at Cannes Film Festival 2016 and won the Special Jury Prize - L’Oeil d’or.
Synopsis - The Cinema Travellers' tells the story of the traveling cinemas of Maharashtra, a cultural tradition lost to the world, but lovingly preserved in rural India. For more than seven decades, these touring cinemas have brought the wonder of the movies to faraway villages annually, preserving collective movie watching as a community tradition. Today, as their lorries and cinema projectors crumble and film reels become scarce, their audiences are lured by slick digital technology. Filmed over five years, The Cinema Travellers accompanies a shrewd exhibitor, a benevolent showman and a maverick projector mechanic who bear a beautiful burden: to keep the last traveling cinemas of the world running.

Citation - A sensitive and lyrical ode to the magic of celluloid and a poetic tribute to the last of India's travelling cinemas.

Contact: abraham.shirley@gmail.com
आबा  
सर्वश्रेष्ठ लघु कल्पित फिल्म 
Aaba | Best Short Fiction Film 
रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

अपतानी (अरुणामल प्रदेशा) | 22 मिनट
निर्देशक: अमर कौशिक
प्रोडक्शन कंपनी: राप्प्हिक फिल्म
फिल्म संपादक: अरिन्दम एस. घटक
छायाकार: सौमिक मुक्करी
संगीत: आलोकांतदास गुप्ता और
अभिषेक दुलियाना

Aparani (AP) | 22 mins
Direction: Amar Kaushik
Production Company: Raapchik Films
Editor: Arindam S. Ghatak
Cinematographer: Soumik Mukherjee
Music: Alokanandadas Gupta
Audiator: Shaibith Kayeri and Savitha Nambrath

परिचय | PROFILE

अमर कौशिक (Amar Kaushik)

किसी संघर्ष के साथ अमर ने सहयोगी निर्देशक से सहयोग निर्देशक बनने के लिए 9 साल का समय लगा दिया है।

Born in Uttar Pradesh, Amar Kaushik grew up between Kanpur and the north-eastern state of Arunachal Pradesh. He completed his graduation in Science. With no contact in the film industry, Amar spent years working as an assistant director.

Raapchik Films is a production house established in the year 2013. Raapchik Films aims at producing content driven meaningful feature films, short films, documentary films and TV Series in all genres.
Synopsis - Aaba (Grand Father) is set in a remote village of Arunachal Pradesh in North East India. An orphan girl staying with her grandparents comes across the news of her grandfather being in the advanced stages of lung cancer and would probably survive just a few weeks. With not much to do the grandfather spends rest of his days revisiting his personal possessions and digging his own grave. But then life has its own surprises.
लिटल मैजीशन
पारिवारिक मूल्यों पर सर्वश्रेष्ठ फिल्म

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

इंडियन | 22 मिनट
प्रिंट साफ और लेखक: नेहा शर्मा
निर्देशक: एलएक्सएल आईडियाज प्राइवेट
समाधान: शेखर प्रजापती
छायाकार: सीरम गोवानी
संगीत: सोवेरा मेहता
रचना किरामेज: प्रभुदास पुराना
अभिनेत: हेवी नानुशाली, मारिया गोरेटी, सिंसन नेटकर और गौरव शर्मा

परिचय | PROFILE

नेहा शर्मा (Neha Sharma)

Neha Sharma has been working in Mumbai in the film & TV industry from 2006 and has honed her craft. Neha went on to write dialogues for the popular TV show Ladies Special for SONY TV and wrote the fiction show Tujhse Naraaz Nahin Zindagi for &TV.

एलएक्सएल आईडियाज (LXL Ideas)

एलएक्सएल आईडियाज वन वह पोशाक और चालाक अभियान के साथ एक नया प्रयास करने के प्रयास कर रहा है। इसका लक्ष्य 130 फिल्मों में 4 राष्ट्रीय पुरस्कार जीतना है।
Synopsis - Ten year old Kanika is in love with magic spells and crazy about wizardry! She has been awaiting the release of a fantasy film for months. Friday is a big day for the family, while mom Madhuri has a big presentation at work, Kanika’s sister has a violin recital. But the day holds most importance for Kanika- that’s when the film Beasts of Wonderland is releasing. Friday also is the day when the nurse who looks after her bedridden grandfather is taking an off. She assigns her daughters to attend to their grandfather and promises to take Kanika for the movie on Sunday. However, unable to resist, Kanika takes off to watch the film without informing anyone and leaves her sick grandfather alone at home. On coming back, Kanika is in for a shock. What happens next makes Kanika rethink her behaviour.
आबा आइक्ताय ना?
सर्वश्रेष्ठ निर्देशन

Aaba Aiktaay Na? | Best Direction

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 1,50,000/-

मराठी | 29 मिनट
निर्देशन आणि पटकथा:
आदित्य सुहास जांभाळे

निर्माता: श्री महालासा प्रोड्झक्शन पोर्डा
संपादक: निकी जोटिल
कार्यकलाप: रूपवान संजाव
सामग्री: रोहित प्रदान
पुस्तकमूळे: सुलतान फिगाडे

अभिनय: अरुण गोवतळे, अच्छुल काजरा, दिलीप देसाई आणि मंधुकर जोशी

Marathi | 29 mins
Direction & Screenplay:
Aditya Suhhas Jambhale

Production Company:
Shree Mahalas Productions Ponda
Editor: Satish Pawil
Cinematographer: Ravi Rangan
Sound Design: Rehit Pradhan
Background Score: Susmit Limaye
Cast: Arun Nalawade, Awadhoot Kamat, Dilip Desai & Madhukar Joshi

प्राप्तिशाळा एक कुटुंब परिवार की एक लीला कहानी का चित्रण किया गया है जो आत्मवास्तवता के साथ भरी है। यह संदर्भित की जाती है।

Citation - A poignant story of a seemingly happy family that erupts in an unpredictable climax, held together by strong cinematic craftsmanship.

आदित्य सुहास जांभाळे

“श्री महालासा प्रोड्झक्शन पोर्डा” के संस्थापक, अध्यक्ष आदित्य सुहास जांभाळे गोवा के एक निर्देशक, पटकथा लेखक और विज्ञापन विज्ञापनकार हैं। अभियात्रिकी में स्नातक करने और 2 साल तक काम करने के बाद, आदित्य ने विज्ञापन एक्टिंग के लिए किया। वे फिल्मों में काम करने के लिए विशेष रूप से विज्ञापन को निर्देशित करते हैं। वे फिल्मों में रोल बनाते हैं और अभिनय के क्षेत्र में अभिनय निर्देशन की के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने 4 मराठी मंच नाटक और 5 अभिनय नाटक का निर्देशन और लेखन किया है।

Aditya Suhhas Jambhale, is a Goan Director, Screenplay writer and Theatre artist. He is the founder/President of 'Shree Mahalasa Productions Ponda'. After graduating in engineering and working for 2 years, Aditya pursued Diploma in Filmmaking with specialisation in Direction, from Digital Academy Film School (Mumbai). He has been working in Theatre/Dramas (Goa/Mumbai/Pune) since past 6 years as writer, director and actor. Directed and Written 4 full length marathi stage plays and 5 one act plays.

Contact: smppgoa@gmail.com

Non-Feature Films

 Synopsis of the film on page no. 167
Before coming to the Film and Television Institute Indi (FTII, Pune) in 2014 for the course of Electronic Cinematography for Television, Alpesh studied B. Tech. in Electronics and Communication Engineering from Rajasthan in 2011 and moved to Baroda, where he studied Dramatics at Faculty of Performing Arts, MSU (Baroda) and worked as a visual artist for different advertising firms. Currently based in Mumbai, he is working as a freelance cinematographer.

Contact: mr.khuman@yahoo.com
Binod Prodhan for many feature films before becoming independent. He has been the Director of photography for feature films, advertising films and documentaries.

Contact: dturnfilms7@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 167
In Return Just a Book | Best Audiography

Rajat Kamal | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Malayalam, Russian | 45 mins
Direction: Shiny Jacob Benjamin
Production Company: Soma Creations
Writer: Paul Zacharia
Editor: B Ajith Kumar
Cinematographer: Kg Jyoy
Music: Sarath
Audiography: Ajith Abraham George
Cast: Oksana Karmishina & Vladimir Pestkov

Citation - Live recording has been done in a detailed and in-depth manner bringing alive the entire ambience.

Abhijeet Jairaj

Filmed and recorded in a single session, the film presents the listener with a rich audio experience. The story is set in Kerala, in a small town where the protagonist, a struggling musician, meets a oportunistic producer who offers him a chance to make a comeback. The music is a blend of traditional Kerala folk music and contemporary Western styles, creating a unique sound that is both soothing and melancholic.

Ajith George has learnt Sound Recording and Sound Engineering, from FTII. He is currently, working as the Faculty of K R Narayan National Institute of Visual Science & Arts, Kerala as Assistant Professor, Sound Department. He has worked as Technical and Operational Head for Vismayas Max Studio Complex at Trivandrum. Also worked for various Ad agencies in India as their Mixing Engineer.

Contact: shinyrish@gmail.com
Jishnu Sen

Jishnu Sen is an editor and actor, known for Barkhay Jhari (Monsoon Rain) (2014) and Jhajholko (2014). He is a student of Editing Department (10th batch) at the SRFTI.

Contact: fro.srfti@gmail.com

Synopsis of the film on page no. 167
Leeches | Best Music

Rajat Kamal | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Urdu | 27 mins
Director & Producer: Payal Sethi
Editor: Vivan Chopra
Cinematographer: James Demetri
Music: Tanuj Tiku
Audiographer: Udit Duseja

Citation - Music becomes a character of its own in subtly heightening the drama and the tragedy of the central character.

Tanuj Tiku is a composer and music producer based in Mumbai. From an early age, he was deeply interested in music and picked up several instruments like the piano, trumpet, clarinet and harmonium. Most recently he provided the background music for Rahul Bose’s biographical film, Poorna. He has worked as a composer and music producer on over 200 commercials, 50 feature films and many songs for some of the top brands, composers and filmmakers in the country.
Makino — An Indian Haiku | Best Narration/Voice Over

रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹ 50,000/-

Bengali | 51 mins
Director & Producer: Tirthankar Dasgupta
Editor: Nilopal Majumdar
Cinematographer: Sandip Bhatcharyya, Nilopal Majumdar & Tirthankar Dasgupta
Music: Tirthankar Dasgupta
Narration: Setsu Makino Togawa

Citation - A simply narrated daughter's ode to a father makes this voice-over intensely personal, poignant and poetic.

Setsu Togawa
Setsu Togawa is the only daughter of late Professor Saiji Makino, was born in India, when her Japanese parents were living in India. She grew up in Santiniketan, West Bengal, and finished her Master Degrees in Manipuri Dance at Visva-Bharati University, Santiniketan. She is very much well known for her whole hearted participation in the cultural activities in Santiniketan.

Contact: tirthadgp@yahoo.com

Synopsis of the film on page no. 167
रिएम्बरिंग कुर्दी
सर्वश्रेष्ठ ऑन-लोकेशन साउंड पुरस्कार
Re-Membering Kurdi | Best On-Location Sound
रजत कमल | RAJAT KAMAL ₹1,00,000/-

कोंकणी, मराठी, हिंदी, अंग्रेजी
64 मिनट

निर्देशक-चित्तार्थ: सीमांतनाथ साही
निर्माता: फिल्म विश्वनाथ
साहित्यक: तनुष्क वाल ताही

Konkani, Marathi, Hindi, English
64 mins
Director & Cinematographer: Sismantnath Sahi
Production Company: Films Division
Editor: Tanushree Das Sahi

समाचार: एक अद्भुत और वेदांत सुन्दर स्वच्छ चर्चायुक्त है, जो एक बांसे राम की उज्ज्वल चर्चायुक्त और उसके अशीतित का प्रतिदृष्टि करता है।

Citation - Stunning location recording that brings to life the vivid soundscape of a coastal village, evoking memories of the past.

क्रिस्टोफर बर्चेल
क्रिस्टोफर बर्चेल कॅन्न स्कॉल ऑफ आर्ट्स से लॉकस्ट कला में स्नातक है। दो साल के लिए एक ग्राफिक डिजाइनर के रूप में काम करते थे, उन्होंने फिल्म बनाने और ध्वनि डिजाइन के क्षेत्र में प्रवेश किया। 2007 से यहाँ, उन्होंने लोकेशन रिकॉर्डिंग और ध्वनि डिजाइन के रूप में वही से अधिक पुर्तानियों फिल्मों पर काम किया है।

Christopher Burchell is a graduate of fine arts from the Ken school of Arts. After working as a graphic designer for two years, he entered the field of film-making and sound design. Since 2007, he has worked on over a hundred documentary films, as a location recordist and sound designer.

Contact: publicity@filmsdivision.org
Amitabh Parashar is a Delhi based journalist who has worked for publications like Screen Weekly & Hindustan Daily of HT group as Special Correspondent. Amitabh has widely covered many National and International film festivals. He has also served as a Jury member in the National Feature Film awards in the year 2003 & 2013 and also on Jury for the selection of National Award for the Best writing on Cinema in the year 2006.
Sikor Aru Sitkor | Special Mention

Prashasti Patra | CERTIFICATE

Assamese | 22 mins
Direction: Ramen Borah & Sibanu Borah
Production Company: Namdar Productions
Script: Niloy Bhattacharjee, Nabo Jyoti Bora & Purbani Goswami
Hindi Script: Dinkar Kumar & Ankush Kumar Jammar
Editor: Ramen Borah
Cinematographer: Hiten Thakuria
Music: Manoj Sarmah

Prashasti - A documentary film which highlights the brutality of poaching.

Ramen Borah, Sibanu Borah

Arun Borah, who produced the documentary film "Sikor Aru Sitkor" in 1998-99, has been active in Assam's film industry since then.

Sibanu Borah has been producing documentary films since 1998, and has been active in Assam's film industry since then.

Contact: vramenborah@yahoo.com

Synopsis of the film on page no. 168

National Film Awards'17 | 165
Soumya Sadanandan has been working for 6 Years in the Malayalam Film & Ad Film Industry in Direction and Production. She is an associate director to most of Indulekha, Dhatri, Kokos, Kaula ads telecasted on TV. She has acted in David and Goliath 2012, Inam 2013, Ormayundo e Mugham 2014 and Mili 2015. She is planning a music video, of which currently the work is going on.

Contact: soumyaseparate@gmail.com
आया आईकाय नां? (Aaba Aikya Naa?)
आया, एक दोस्रोंकुट युवक है, जो अपनी देशभक्ति करने वाले भत्तारिया और हंसमुख दोस्तों के साथ युद्धभूमि में जीवन शुद्ध करते है। जब उनके आदर्श युद्धियों की परम्पराएँ से पुरा रहे हैं, तो आया का एक सराहनीय भावनात्मक पश्चात क्रिया का आचरण तो है। उन्हें एक विश्वसनीय भावनात्मक व्यक्ति का जीवन शुद्ध करना है।

एक दिन एक दिन उन्हें उनसे ज्यादा भावनात्मक व्यक्ति का नाम होता है। यह जन्म के आदर्शों के दंगों से उभरता है जिससे उन्हें विविध विषयों शहीद के साथ उनसे एक साथ युद्ध करने का योग्यता बनाता है। जीवन के मद्देनजर जंग रंग आयाज की खाता नहीं है, जो एक बाबा की जीवन प्राप्ति और उत्तम है।

लेकिन, यह जीवन के दंगों के साथ आया की जीवन पर छूटता है। विद्वेष कहा यह है कि आया के बच्चों के आदर्श भावनात्मक और व्यक्तिगत भावनाओं के साथ एक साथ युद्ध करते हैं, जिससे उनसे रूप नहीं छोड़ते।

राष्ट्रीय मशहूर एक दिन एक विश्वसनीय भावनात्मक व्यक्ति का नाम होता है। राष्ट्रीय मशहूर एक दिन एक विश्वसनीय भावनात्मक व्यक्ति का नाम होता है।

राष्ट्रीय मशहूर एक दिन एक विश्वसनीय भावनात्मक व्यक्ति का नाम होता है।

एक दिन एक दिन उन्हें उनसे ज्यादा भावनात्मक व्यक्ति का नाम होता है। यह जन्म के आदर्शों के दंगों से उभरता है जिससे उन्हें विविध विषयों शहीद के साथ उनसे एक साथ युद्ध करने का योग्यता बनाता है। जीवन के मद्देनजर जंग रंग आयाज की खाता नहीं है, जो एक बाबा की जीवन प्राप्ति और उत्तम है।

लेकिन, यह जीवन के दंगों के साथ आया की जीवन पर छूटता है। विद्वेष कहा यह है कि आया के बच्चों के आदर्श भावनात्मक और व्यक्तिगत भावनाओं के साथ एक साथ युद्ध करते हैं, जिससे उनसे रूप नहीं छोड़ते।

राष्ट्रीय मशहूर एक दिन एक विश्वसनीय भावनात्मक व्यक्ति का नाम होता है। राष्ट्रीय मशहूर एक दिन एक विश्वसनीय भावनात्मक व्यक्ति का नाम होता है।

राष्ट्रीय मशहूर एक दिन एक विश्वसनीय भावनात्मक व्यक्ति का नाम होता है।

राष्ट्रीय मशहूर एक दिन एक विश्वसनीय भावनात्मक व्यक्ति का नाम होता है।

एक दिन एक दिन उन्हें उनसे ज्यादा भावनात्मक व्यक्ति का नाम होता है। यह जन्म के आदर्शों के दंगों से उभरता है जिससे उन्हें विविध विषयों शहीद के साथ उनसे एक साथ युद्ध करने का योग्यता बनाता है। जीवन के मद्देनजर जंग रंग आयाज की खाता नहीं है, जो एक बाबा की जीवन प्राप्ति और उत्तम है।

लेकिन, यह जीवन के दंगों के साथ आया की जीवन पर छूटता है। विद्वेष कहा यह है कि आया के बच्चों के आदर्श भावनात्मक और व्यक्तिगत भावनाओं के साथ एक साथ युद्ध करते हैं, जिससे उनसे रूप नहीं छोड़ते।

राष्ट्रीय मशहूर एक दिन एक विश्वसनीय भावनात्मक व्यक्ति का नाम होता है। राष्ट्रीय मशहूर एक दिन एक विश्वसनीय भावनात्मक व्यक्ति का नाम होता है।

राष्ट्रीय मशहूर एक दिन एक विश्वसनीय भावनात्मक व्यक्ति का नाम होता है।

राष्ट्रीय मशहूर एक दिन एक विश्वसनी�
**KATHAASAR | SYNOPSIS**

This is a film about the intercultural relationship between India and Afghanistan, which tries to grasp and understand the soul of India. Satyajit Ray, a young Japanese army officer, lost his balance of mind after the nuclear explosion in Hiroshima during the 2nd World War. The death and devastation made him an aimless wanderer. His restless mind was frontically looking for a place where he could put his scarred soul to peace. His mentor suggested him to go to India, where he might get his solace. He had already heard about 'Sevagram', the Ashram of Mahatma Gandhi at Wardha and also about 'Santiniketan' at Bolpur, Makina first joined Sevagram in 1958, for two years and then came to Visva-Bharati University at Santiniketan, the Professor of Japanese language. His soul healed under the shades of thousands of trees in Santiniketan.

**रि–मेमरिंग कुर्दी (Rememering Kurdi)**

विविध गोपा का छह दशक, तभी चार पहले सलामी नहीं पर बाल के रिश्तों के बाद जननी हो गया था। इसकी तरह से करीब 550 परिवारों के रिश्तों को रिश्तों में भाग देना पड़ा। वह फिल्म, कुर्दी के पुरातत्त्वीय निर्माणों की एक राधका की तात्कालीस है, जिसमें वे इस सात अपने शहर नीले हैं। हालांकि उन शहर का कोई रिश्ता भी नहीं व्यक्त किया है।

Kurdish town in South Goa, was submerged after the Saalim construction was completed over the river over three decades ago. Around 550 families were asked to relocate. This film, set in more recent times, is about a ritual that the erstwhile residents of Kurdis conduct where they return to the town every year even though there is almost no trace of it left.

**द आई ऑफ़ डार्कनेस (The Eyes Of Darkness)**

विविध गोपा का दुसरा दशक, तभी चार पहले सलामी नहीं पर बाल के रिश्तों के बाद जननी हो गया था। इसकी तरह से करीब 550 परिवारों के रिश्तों को रिश्तों में भाग देना पड़ा। वह फिल्म, कुर्दी के पुरातत्त्वीय निर्माणों की एक पररता की रात, है, जिसमें वे इस सात अपने शहर नीले हैं। हालांकि उन शहर का कोई रिश्ता भी नहीं व्यक्त किया है। The eyes of Darkness is about the non ending horrific incidences of forcible bindings of alleged criminals, petty thieves and many times innocent kids by individuals or mob. Set in Bihar, this character driven film is told through the words of Munna Thakur, a former criminal, who is blinded by injecting acid into his eyes because he dared to contest local election and fielded his wife to fight against a local strong man. The film follows Munna’s arduous quest for justice and dangerous toll his quest takes on his personal life and his family.

**सीकर अर सीकर (Sikor Aru Sikor)**

‘सीकर अर सीकर, अफसर के सबसे सांस्कृतिक ज्ञानियों में से एक ’ एक–सीकर वाले गेंदें (डाईरीस लॉन्चर्क्स) की हो रही समाचारों पर जानकारी एक शूटिंग फिल्म है।

'बदलती, बीती और दिखाई देने वाले देखभाल के प्रश्नों में देखभाल की प्रश्नों के लिए गेंदें के जीवन की इतिहास में बड़ी भूमिका रही है। यह फिल्म सिकर के जीवन का आदर्श बन जाता है। एक युवक जो भारतीय बॉलीवुड के दूरदराज से एक सीकर अर सीकर नामक फिल्मों के दृश्यों में दिखाई देता है।

Sikor Aru Sikor is a documentary film on the misspent and indiscriminate killing of one of nature's most gentle animals - the Indian one-horned Rhino (Rhinoceros unicornis). Fuelled by a booming demand for Rhino horns in China and south east Asia, where it is used in traditional medicines, the Rhino has been mercilessly hunted at its home in Assam. More than 100 Rhinos have been killed by poachers in Assam in the last three years alone. Sikor Aru Sikor is a call to action - and documents as well as contributes to growing public activism around saving the rhinos from the bullet of the poacher. The objectives not to shock or disgust, but to provoke audiences to understand the brutality being displayed by humans against a gentle giant of an animal.

**चेंबाई–माइ डिस्कवर्डी ऑफ़ ए लेजेंड**

एक गाया, जो अपने परेशान गायाक दो कैलेंडर रोजमर्रा के कारण एक गाय भी बन गया जिसे पहले देखकर जिहाद बना तो कहते थे। इसी गाया के द्वारा भारत की समाज किया गया जिसे किसी ने नहीं दिखाया जा सकता था।

A journey that started out as a trip to watch her favorite singer, Dr. K.J. Yesudas, perform live at a concert in the village of Chembai, in Palakkad district of Kerala, led the filmmaker to new personal discoveries. The village of Chembai was found to be entirely musically gifted and even a farmer enjoyed a classical karnatic music performance, just as a trained individual would. This quality was found to be attributed to the red gum of the villages Kottai and Chembai; Padma Bhushan Shri Chembai Vaidyanatha Bhagavatar, the Kannada classical singer who wasn’t merely an artiste, but was the man who valued the power of knowledge and music above all. This film is a collection of anecdotes recalled by the disciples of Sri Chembai, an attempt made by the filmmaker to learn about the man who has been the key inspiration behind the Chembai Porthasornathy Music Festival that has been going on for over 100 years now.
64वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार
2016
NATIONAL FILM AWARDS 2016

पुरस्कार, लेख्य के समीक्षकों के माध्यम से सिनेमा का एक कला के रूप में मुद्दों को समझने के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

The awards aim at encouraging study and appreciation of cinema as an art form and dissemination of information and critical appreciation of this art form through publication of books, articles, reviews etc.
लता: सुर गाथा
(ए म्यूजिकल जर्नी ऑफ लता मंगेशकर)
सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ पुस्तक

Lata: Sur Gatha (A Musical Journey of Lata Mangeshkar)

स्वर्ण कमल | SWARNA KAMAL ₹ 75,000/-

लेखक परिचय | About the Author

यतींद्र मिश्रा (Yatindra Mishra)
कवि, संपादक और सिनेमा विद्वान, यतींद्र मिश्रा को हिंदी कविता के बारे में जाना जाता है। उन्होंने वास्तविक जीवन में कई पुरस्कारों से सम्मानित किए जा चुके हैं। उन्होंने 2014-2016 तक टीवी भारती (दूरदर्शन केंद्र, पर्यावरण भारती, नई दिल्ली) के एक वीडियो चलचित्र के रूप में काम किया है।

Poet, Editor and Cinema Scholar, Yatindra Mishra has four collections of Hindi poetry to his credit - Yada Kada, Ayodhya Tattha Anya Kavitayein, Dyorhi par Aalap and Vibhos. He is a recipient of numerous awards including Bhartiya Jnanpitha Fellowship. He has worked as a Channel Advisor to DD Bharati (Doordarshan Kendra, Prasar Bharati, New Delhi) for the term 2014-2016.

वाणी प्रकाशन (Vani Prakashan)
वाणी प्रकाशन बिगत 54 वर्षों से 32 शीर्षकों में वेबसाइट हिंदी साहित्य प्रकाशित कर चुका है। प्रकाशन ने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑडिओ प्रामूह में 6000 किताबें प्रकाशित की है। संगठन को सचिवालय पुस्तकालय, स्वीडन, मार्टेन-साहित्यिक मॉडल और रुसी संस्कृति केंद्र के लिए राष्ट्रिय सम्मानित किया गया है।

Vani Prakashan has been publishing finest Hindi literature since 54 years in over 32 genres. It has published over 6,000 books in print, electronic and audio format. The organisation is honored at National library, Sweden, Indo-Russian Literary Club and Russian Center of Art Culture and by Polish Government.
About the Book - Standing at the confluence of Cinema, Music and Literature Lata: Sur-Gatha’ is a rare book which celebrates Art in all its totality, against the backdrop of the life of the legendary singer Lata Mangeshkar. The book introduces Lata Mangeshkar to the world as a great thinker, an intellectual and a cultural exponent, apart from her popular image as a playback singer. Lata: Sur-Gatha’ is an ode to the Majestic presence of Lata Mangeshkar, through the pen of an ardent admirer. Lata: Sur-Gatha’ is a document of socio-cultural changes from the late British Era through Post Independent India right up to the twenty first century. Lata Mangeshkar is known as the Voice of India. This book is an effort to understand and put together all the little influences which shape a nation and ultimately its voice.

Citation - Yatinder Mishra's encyclopedic presentation encompasses her life, seven decade career and its impact on Indian cinema. Divided into three sections, the book offers rare insights on the icon, her music and reflects a changing nation.
G. Dhananjayan has spent over 15 years in film business so far and has produced or co-produced 27 films in Tamil, Malayalam and Hindi and many of them were commercial successes and critically acclaimed. He is also a film producer and founder of BOFTA Film Institute at Chennai. His book PRIDE OF TAMIL CINEMA received a special mention at the 62nd National Film Awards. He has also set up his film production and distribution company BLUE OCEAN ENTERTAINMENT, through which he is marketing and distributing films in South languages. Dhananjayan has written two books on the history of Tamil cinema which have been widely appreciated by the legends of Tamil film industry.
Anjali Monteiro and K.P. Jayasankar

Special Mention

Rajat Kamal | CERTIFICATE

Citation - K.P. Jayasankar and Anjali Monteiro explore independent documentary films in India and revisit the relationships between film-makers and their narratives. The book sets new standards in form and content in cinema studies.

Anjali Monteiro and K.P. Jayasankar are Professors at the School of Media and Cultural Studies, Tata Institute of Social Sciences, Mumbai. They are involved in media production, teaching and research. Their documentary films, which have been screened across the world, have won 32 national and international awards. They write in the broad areas of censorship, documentary film and media and cultural studies and have contributed to scholarly journals and edited volumes. They have also been visiting faculty and fellows at several leading media and design institutions and lectured at universities in the USA, Australia, Europe, and in Asian countries.
राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2016

A state government that makes dedicated effort in the direction of facilitating film shootings and in creating a conducive environment towards promotion of Indian Cinema shall be eligible for the award for 'Most Film Friendly State'
उत्तर प्रदेश (Uttar Pradesh)

रजत कमल एवं प्रशस्ति पत्र

Rajat Kamal & Certificate

For implementing a unique film policy, taking into account that the film medium is not only about entertainment but is also a very important vehicle of employment, social awareness and cultural development. The State’s Film Policy includes various measures to create a suitable environment, which not only invites shooting of films on a large scale in the State but also promotes other activities, which are related to various aspects of film production at the ground level, including financial incentives for filmmakers.

झारखण्ड (Jharkhand)

विशेष उल्लेख

Special Mention

Certificate

To foster the film industry and their endeavour to give incentives to filmmakers from across India, in addition to the above, the Film Policy also provides growth opportunities to the local filmmaking talent from within the State.
64वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समूह
64th NATIONAL FILM AWARDS TEAM

निर्देशक (सहायक) | Anahuman Shukhara
हस्त अभय | Harsh Agarwal
संवाद कुमार | Surender Kumar
अध्यक्ष | Rajju Agarwal
भीतिका चाल | Jeewika Khaira

इंजीनियरिंग एवं प्रोजेक्शन समूह
ENGINEERING AND PROJECTION TEAM

एक्टर-कृति (सु.ई.) | S.K. Sharma (A.E.Civil)
संगीतकर्ता (सु.ई.) | R.K. Todi (A.E. Electrical)
अभिनेता (सु.ई.) | D.P. Goutami (A.E. P)

प्रमोटर (फिल्म) | Ashok (Films Division)
प्रीति प्रसाद (प्रोजेक्शनिंग) | Bani Prasad (Projectionist)
विजयदीप (प्रोजेक्शनिंग) | Yoginder (Projectionist)
बिरजन (प्रोजेक्शनिंग) | Kishan (Projectionist)
बिंदु (प्रोजेक्शनिंग) | Vipul (Projectionist)
बुधलू (प्रोजेक्शनिंग) | Sunil (Projectionist)

अभिनेता

ACKNOWLEDGEMENTS

Film Producers/Production Houses for providing the film related material Photographs of Past DSPA Winners:
National Film Archives of India, Pune (Government of India)

Films Division for DSPA and Doodarshan News for National Award Winners Audio Visual presentation